सुविचार
गलत तरीकों से सफल होने से कई गुना बेहतर है, सही तरीके अपनाकर असफ़ल हो जाना।

साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom of Speech

RNI.NO. MPHIN/2015/76299

संपादक :- नागेश नरवरिया

Mother's Basket
Kitchen Herbs & Spices
Swad jo pahuche dil tak

वर्ष 6, अंक-80 | भोपाल, शुक्रवार 17 दिसम्बर 2021 | पृष्ठ -8 | मूल्य 3 रुपये

मध्यप्रदेश पंचायत चुनाव मामले में सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई आज

आरक्षण रोटेशन, परिसीमन को लेकर दायर याचिका पर राज्य सरकार भी रखेगी अपना पक्ष

जबलपुर। एमपी में पंचायत चुनाव में रोटेशन प्रक्रिया सहित अन्य प्रक्रिया का पालन न करने को लेकर आज सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई होगी। भोपाल के मनमोहन नायर और गाडरवाडा के संदीप पटेल सहित पांच अन्य याचिकाकर्ताओं की ओर से सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ अधिवक्ता एवं राज्य सभा सांसद विवेक तन्खा पक्ष रखेंगे। एमपी हाईकोर्ट में याचिका पर अर्जेंट हियरिंग न होने के बाद याचिकाकर्ताओं ने 16 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट में प्रकरण लगाया था। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस की बेंच ने इसे स्वीकार करते हुए शुक्रवार को सुनवाई की तारीख तय की। याचिकाकर्ताओं के साथ ही मध्यप्रदेश सरकार सहित अन्य पक्षकारों को भी अपना पक्ष रखने के लिए निर्देशित किया है। सुप्रीम कोर्ट गुरुवार को स्पष्ट कर चुका है कि एमपी में होने वाला त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव आदेश के अधीन होगा। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर गुरुवार को याचिकाकर्ताओं ने जबलपुर हाईकोर्ट में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के रोटेशन

सहित अन्य प्रक्रियाओं में नियमों का पालन न करने का मामला उठाते हुए चुनाव पर रोक लगाने की मांग की थी। याचिकाकर्ताओं ने चीफ जस्टिस रवि मलिमठ और जस्टिस विजय कुमार शुक्ला की खंडपीठ से अर्जेंट हियरिंग की मांग की थी। पर हाईकोर्ट ने इस याचिका को खारिज करते हुए तीन जनवरी की अगली तारीख तय कर दी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई गई। जहां याचिका स्वीकार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आज सुनवाई तय की है।

पंचायत चुनाव की वैधानिकता, अध्यादेश, रोटेशन और परिसीमन को लेकर लगी हैं याचिकाएं

एमपी में पंचायत चुनाव को लेकर अलग-अलग याचिकाएं दायर हुई हैं। पहले ग्वालियर खंडपीठ में मामले की सुनवाई हुई। वहां से प्रकरण मुख्य खंडपीठ पहुंची। वहां नौ दिसंबर को एक साथ सभी याचिकाओं की सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने पंचायत चुनाव पर रोक लगाने से मना कर दिया। तब याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा ने सुप्रीम कोर्ट में चले गए। सुप्रीम कोर्ट में 15 को हाईकोर्ट और 16 को हाईकोर्ट द्वारा अर्जेंट हियरिंग से मना करने पर फिर याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं। भोपाल के मनमोहन नायर और गाडरवाडा के संदीप पटेल सहित पांच अन्य याचिकाकर्ताओं ने तीन चरणों में होने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की वैधानिकता को चुनौती दी है।

क्या होता है प्राइवेट प्रतिरक्षा का अधिकार ? जानिए/IPC..... I

बी.आर. अहिरवार,
ब्यूरो हेड होशंगाबाद, मो.-9827737665

भारतीय दण्ड संहिता,1860 की धारा 96 से 106 में व्यक्ति को प्राइवेट प्रतिरक्षा के अधिकार संबंधित प्रावधान किए गए हैं,अर्थात विधि द्वारा व्यक्ति को निजी प्रतिरक्षा का अधिकार दिए जाने का एक अन्य कारण यह भी है कि व्यावहारिक दृष्टि से राज्य के लिए यह सम्भव नहीं है कि वह अपने सीमित सांधनो से प्रत्येक व्यक्ति की क्षति से रक्षा कर सके। अतः वह व्यक्ति को एक निश्चित सीमा तक स्वयं के शरीर व संपत्ति की स्वंय रक्षा करने का अधिकार देती हैं,लेकिन यह अपेक्षा भी करती हैं कि निजी प्रतिरक्षा के लिए किया गया बल-प्रयोग उस सीमा से अधिक नहीं होना चाहिए जो उन परिस्थितियों में एक सामान्य व्यक्ति ठीक समझे।

निजी प्रतिरक्षा के अधिकार की सीमा क्या है जानिए- भारतीय दण्ड संहिता के अनुसार किसी व्यक्ति द्वारा प्राइवेट प्रतिरक्षा अर्थात निजी सुरक्षा के अधिकार का प्रयोग किस सीमा तक किया जा सकता हैं इसका उल्लेख उच्चतम न्यायालय द्वारा किया गया है जानिए, यदि व्यक्ति पर तलवार से वार किया गया हो तो वह व्यक्ति आक्रमणकारी की हत्या भी निजी सुरक्षा के अधिकार में कर सकता है, लेकिन आक्रमणकारी की तलवार टूट जाती है या वह किसी कारण शस्त्र-हीन हो जाता है और गंभीर चोट होने का खतरा टल जाता है, तब उस स्थिति में आक्रमणकारी को मार डालना हत्या या मानव-वध का अपराध होगा। अर्थात जब तक आक्रमण होता रहे वह व्यक्ति अपनी निजी सुरक्षा कर सकता है और वह व्यक्ति पीछे हटने के लिए बाध्य नहीं होगा लेकिन जैसे ही आक्रमण का खतरा समाप्त हो जाता है व्यक्ति का प्रतिरक्षा का अधिकार समाप्त हो जाता है।

नोट- आक्रमण करने वाला व्यक्ति को भारतीय दण्ड संहिता के अनुसार निजी सुरक्षा के अधिकार का लाभ नहीं मिलेगा।

कविता

आखिरी पीढ़ी

हम वह आखिरी पीढ़ी हैं जिनके पास
ऐसी मासूम मां है जिनका ना कोई
सोशल मीडिया पर अकाउंट है ना
फोटो सेल्फी का कोई शौक है उन्हें
यह भी नहीं पता की स्मार्टफोन का
लॉक कैसे खुलता है जिनको ना अपनी
जन्मतिथि का पता है उन्होंने बहुत कम
सुख-सुविधाओं में अपना पूरा जीवन
बिताया बिना किसी शिकायत के जी
हां हम वह आखरी पीढ़ी है जिनके
पास ऐसी मां है।

-अज्ञात

कविता

आंखों में सपने लेकर आयी थी ,
दिल का हौसला बढ़ाकर आयी थी!

किसी दिन तो बदलेगी जिंदगी ,
दिल में उम्मीद लेकर आयी थी!

संघर्ष भी यही है और मंजिल भी,
सपना पूरा करने के इरादे से आयी थी!

इरादे मजबूत है और जूनुन भी,
सोया हुआ ख्वाब जगाकर आयी थी!

क़िस्मत पर कौन बैठा है , मेहनत रंग
लाती हैं,
आंखों में सपने, दिल में उम्मीद लेकर
आयी थी!!

वैशाली नारनवरे

संत शिरोमणी गुरु रविदास जी महाराज की अमृत वाणी, आरती एवं परिवार समाज की आत्मिक शांति हेतु अरदास और लंगर का आयोजन

रायसेन/उदयपुरा। अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन, भारत की मध्यप्रदेश इकाई के प्रदेश उपाध्यक्ष श्रद्धेय अतरसिंह भारतीय की माताजी ब्रम्हलीन, श्रद्धेया श्री मति भूरी देवी जी का दिनांक 16 नवंबर 2021 दिन मंगलवार को लम्बी बीमारी के कारण परिनिर्वाण हो गया था। जोकि प्राकृतिक नियम है। लेकिन समाज में व्याप्त धार्मिक अंधविश्वास एवं कु-प्रथा जैसे अस्थि विसर्जन के लिए इलाहाबाद ही जाना, ग्यारह दिन में ग्यारहवीं या तेरह दिन में तेरहवीं ही करना।

इस अंधविश्वास को बंद करते हुए माताजी की पुण्य स्मृति में परिवार की सुविधा अनुसार दिनांक 12 दिसंबर 2021 को परमपूजनीय संत श्री श्री 108 श्री सुरेन्द्र दास महाराज बाबा जी (अंतरराष्ट्रीय प्रचारक अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन सच्चखंड बल्ला डेरा (पंजाब) तथा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गुरु रविदास जन्म स्थान पब्लिक चेरीटेविल ट्रस्ट सीर गोवर्धनपुर, काशी (उत्तर प्रदेश) एवं संगत में परम पूज्य संत श्री श्री सत्यपाल जी महाराज (राष्ट्रीय प्रचारक अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन (चंडीगढ़) के मुखारविंद से संत शिरोमणी गुरु रविदास जी महाराज की अमृत वाणी, आरती एवं परिवार व समाज की आत्मिक शांति हेतु अरदास और लंगर का आयोजन निज निवास ग्राम कैलकच्छ, तह. उदयपुरा जिला रायसेन (मध्य प्रदेश) में किया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष परम सम्मानीय एडवोकेट धन सिंह अहिरवार जी, अहिरवार समाज संघ के संस्थापक परम सम्मानीय चौधरी अमान सिंह नरवरिया जी, अहिरवार समाज संघ के प्रदेश अध्यक्ष परम सम्मानीय राजेश अहिरवार जी, दलित रक्षा प्रहरी के प्रदेश अध्यक्ष परम सम्मानीय हरि सिंह बौद्ध जी, अहिरवार समाज संघ के राष्ट्रीय सचिव परम सम्मानीय हनुमत बौद्ध जी, आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति के राष्ट्रीय महासचिव परम सम्मानीय हेमंत नरवरिया जी,

रविदासिया धर्म संगठन, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री अतरसिंह भारतीय जी

वी द पीपल के प्रवक्ता सम्माननीय रमन बामने जी अपनी - अपनी समितियों और समर्थकों सहित विभिन्न प्रदेशों और मध्य प्रदेश के रायसेन, होशंगाबाद, नरसिंहपुर, सागर, दमोह, विदिशा, छिंदवाड़ा, बैतूल, भोपाल, सीहोर, ग्वालियर आदि जिलों के अलावा उत्तर प्रदेश एवं पंजाब प्रदेश से भी संगत शरीक हुई। विभिन्न जातियों की संगत, सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं धार्मिक संगठनों से ग्रामीण, ब्लॉक, जिला, प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारी गण, रिश्तेदार तथा मित्रों ने कई हजार लोगों के साथ सिद्दत से शरीक हो कर शिरकत करते हुए कार्यक्र म को सफल बनाने में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से असाधारण सहयोग किया। जिसके लिए उपस्थित जनों को प्रदेश उपाध्यक्ष श्रद्धेय भारतीय सपरिवार साधूवाद अदा करते हैं और आभार व्यक्त करते हुए कहते हैं कि माताजी के ज्येष्ठ पुत्र श्रद्धेय अशोक कुमार, मंझले पुत्र अतर सिंह भारतीय, छोटे पुत्र रामस्वरूप अहिरवार और इकलौती बेटी श्रेद्धेया रामसुखी देवी जी ने अपने पूजनीय पिता श्रद्धेय श्री फूल सिंह अहिरवार जी के कुशल मार्गदर्शन में कार्यक्रम आयोजित किया। उक्त सफल आयोजन की सराहना मध्यप्रदेश के साथ ही पूरे भारत में की जा रही है और समाज के लिए एक अच्छा उदाहरण प्रस्तुत किया है।

संस्थापक: श्री चौधरी अमान सिंह नरवरिया जी, अहिरवार समाज संघ

अहिरवार समाज संघ के प्रदेश अध्यक्ष राजेश अहिरवार जी

क्षेत्रीय निदेशक द्वारा अध्ययन केंद्र का निरीक्षण किया गया

होशंगाबाद। गुरुवार को मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. ओ एन चौबे जी के निर्देशानुसार क्षेत्रीय केंद्र होशंगाबाद से एडमिशन इंचार्ज श्री राजुल शर्मा द्वारा प्रचार प्रसार हेतु अध्ययन केंद्रों का निरीक्षण किया गया तथा स्नातक स्तर की पुस्तकें वितरित की गई। जिसमें शासकीय महात्मा गांधी स्मृति महाविद्यालय ,इटारसी से केंद्र अध्यक्ष डॉ पी के पगारे, समन्वयक डॉ मुकेश कुमार जोठे एवं श्री बी एस गौर, अध्ययन केंद्र शासकीय महाविद्यालय ,शाहपुर, जिला - बैतूल से केंद्र अध्यक्ष श्री एम डी वाघमारे, समन्वयक डॉ देवेन्द्र कुमार रोडगे, अध्ययन केंद्र जयवंती हक्सर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बैतूल से केंद्र अध्यक्ष डॉ विजेता चौबे, समन्वयक डॉ गोपाल प्रसाद साहू, अध्ययन केंद्र शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मुलताई, जिला - बैतूल से केंद्र अध्यक्ष डॉ वर्षा खुराना समन्वयक डॉ पंकज कुमार झाडे उपस्थित रहे। श्री राजुल शर्मा जी द्वारा छात्र - छात्राओं को मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के स्नातक, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों व डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्सेज में प्रवेश हेतु विस्तृत जानकारी प्रदान की गई, उन्हें बताया गया कि उच्च शिक्षा से वंचित युवक युवतीयॉ ग्रहणी व नौकरी पेशा स्वरोजगार में व्यस्त व्यवसाय एवं दूर अंचल ग्रामीणो के लिए उच्च शिक्षा से जुड़ने का यह एक सुनहरा अवसर है अध्ययन केंद्रों द्वारा निःशुल्क अध्ययन सामग्री प्रदान की जाती है मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने हेतु उम्र का कोई बंधन नहीं है टीसी, माइग्रेशन व गेप सर्टिफिकेट के बिना भी प्रवेश लिया जा सकता है। निम्न कोर्सेज की फीस विश्वविद्यालय द्वारा कम कर दी गई है। अतः भोज मुक्त विश्वविद्यालय के किसी भी पाठ्यक्रम की फीस 9000 से ज्यादा नहीं है तथा जिन पाठ्यक्रमों में प्रवेश शुल्क 8000 या उससे अधिक है उसे विद्यार्थियों को दो समान किस्तों में प्रथम किस्त प्रवेश के समय जबकि दूसरी किस्त फरवरी 2022 में भुगतान करने की सुविधा प्रदान की गई है। मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय मे प्रवेश लेने हेतु अंतिम दिनांक 20 दिसंबर 2021 कर दी गई है।

जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

होशंगाबाद। शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में मंगलवार को जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में टिमरनी, हरदा, पिपरिया, सुखतवा, सिवनी मालवा, बनखेडी, इटारसी, बाबई, नर्मदा महाविद्यालय होशंगाबाद, शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद की टीम ने सहभागिता की। जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि विधायक महोदय डॉ. सीताशरण शर्मा, विशिष्ट अतिथि श्री सरदार सिंह राजपूत कबड्डी फेडरेशन के सचिव, विशिष्ट अतिथि श्री जसबीर सिंह, विशिष्ट अतिथि विधायक प्रतिनिधी श्रीमती संध्या थापक, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन, डॉ. संतोष व्यास, श्री जसपाल चड्ढा ने अपनी गरिमामई उपस्थिति प्रदान की। मॉ सरस्वती की पूजन एवं दीप प्रज्जवल के पश्चात अतिथियों का स्वागत सत्कार किया गया। तत्पश्चात् सभी अतिथियों ने टीम सदस्यों से भेंट कर उनका उत्साह वर्धन किया। इस अवसर पर क्रीडा विभाग के प्रभारी डॉ. श्रीकान्त दुबे ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे जिले की छात्राओं ने संभाग स्तर विश्वविद्यालय एवं राज्य स्तर पर अपना परचम लहराया है हमें पूर्ण विश्वास है कि छात्राएँ खेल भावना का सम्मान करते हुए अपनी पूर्ण क्षमता से जिले एवं प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी। मुख्य अतिथि डॉ. सीताशरण शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि दो वर्ष के कोरोना काल के पश्चात हमारे खिलाड़ी होसले के साथ खेल मैदान में है। खेल हमें जीतना सिखाता है। खेल हमारे अंदर दृढ़ इच्छाशक्ति को जागृत करता है कि हमें जीत के लिए अधिक से अधिक प्रयास करना है खेल हमें हमेशा मेहनत के लिए प्रेरित करता है। प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि जीत का अहम पहलू यह है कि आप कितने सजग सतर्क और संयम के साथ समय का सही सद्उपयोग कैसे करते है। खेल हमारे अंदर टीम वर्क को विकसित करता है। सफलता के शिखर पर पहुँचने के लिए टीम का सामूहिक प्रयास विजय की आधारशिला है। पहला सेमीफाईनल टिमरनी एवं सुखतवा के बीच खेला गया जिसमें टिमरनी ने सुखतबा को 35-03 से हराया एवं दूसरा सेमीफाईनल होशंगाबाद एवं हरदा के बीच खेला गया जिसमें हरदा ने होशंगाबाद को 22-08 से हराया। फाईनल में टिमरनी ने हरदा को 29 अंको से हराया। विजेता एवं उपविजेता टीम को ट्राफी प्रदान की गई। प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन द्वारा विजेता एवं सहभागिता करने वाली छात्राओं का उत्साह वर्धन करते हुए शुभकामनाए प्रदान की। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. श्रुति गोखले ने करते हुए महाविद्यालय परिवार द्वारा विभिन्न महाविद्यालयों से आये हुए टीम मेनेजर का स्वागत एवं परिचय कराते हुए खेलनियमावली से अवगत कराया। कार्यक्रम का आभार डॉ. अरूण सिकरवार ने व्यक्त किया। इस प्रतियोगिता में श्रीमती विमला कदम, श्री रघुवीर सिंह राजपूत, श्रीमती किरण विश्वकर्मा ने अपना सक्रिय सहयोग एवं योगदान प्रदान किया। जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में डॉ. किरण पगारे, डॉ. पुष्पा दुबे, डॉ. भारती दुबे, डॉ. संध्या राय, डॉ. पी.आर. मानकर, श्री कैलाश डोंगरे, डॉ. आशीष सिंह, डॉ. जी.सी. पांडे, डॉ. रामबाबू मेहर, डॉ. सी.एस. राज, डॉ. यशवंत निगवाल, डॉ. दीपक अहिरवार, डॉ. हर्षा चचाने, डॉ. रीना मालवीय, डॉ. कीर्ति दीक्षित, डॉ. नीतू पवांर, श्रीमती शीतल मेहरा, श्री रफीक अली, डॉ. हेमंत चौधरी, श्री घनश्याम डेहरिया, श्री अनिल कौशल, श्रीमती नीलम चौधरी, श्री अजय तिवारी, डॉ. दशरथ मीना डॉ. विजया देवासकर, डॉ. मनीषा तिवारी, श्रीमती अंकिता तिवारी, स्वेता वर्मा, श्रीमती आभा बाधवा, डॉ. निशा रिछारिया, श्रीमती प्रीति ठाकुर, देवेन्द्र सैनी डॉ. पूजा थापक, डॉ. श्रृद्धा गुप्ता महाविद्यालयीन स्टाफ एवं भारी संख्या में छत्राए उपस्थित रहीं।

क्रिकेट टूर्नामेंट निज़ात कप से युवा वर्ग उत्साहित

एसपी संतोष सिंह की बैटिंग से निजात कप का हुआ आगाज

मनेन्द्रगढ़। कोरिया जिले के मनेंद्रगढ़ में निजात अभियान को लेकर पुलिस ने अब तक विभिन्न प्रकार के आयोजन कर नशे से युवा वर्ग को बाहर निकालने के लिए प्रयास किए है। कुछ दिवस पूर्व एसडीओपी मनेन्द्रगढ़ राकेश कुर्रे, थाना प्रभारी मनेन्द्रगढ़ सचिन सिंह, आयोजन समिति के अध्यक्ष शुभम सिंह, कोरिया पुलिस और आमाखेरवा के युवा वर्ग ने क्रिकेट टूर्नामेंट का आगाज किया। इस बार क्रिकेट के माध्यम से युवा वर्ग की पीढ़ी को नशे से बाहर निकालने के लिए पुलिस अधीक्षक के आदेश से कोरिया पुलिस और आमखेरवा युवा वर्ग के युवाओं के सहयोग से क्रिकेट टूर्नामेंट 卐निजात कप卐 का आगाज किया गया है। वही इस टूर्नामेंट में मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक कोरिया संतोष कुमार सिंह, मनेंद्रगढ़ नगरपालिका अध्यक्ष प्रभा पटेल, जनपद पंचायत अध्यक्ष डॉ विनय शंकर सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। निजात कप क्रिकेट टूर्नामेंट में लोगो को जागरूक करने के लिए पुलिस ने इस बार क्रिकेट प्रेमियों का सहारा लेते हुए नजर आ रही है। निजात कप टूर्नामेंट का आयोजन को आमाखेरवा ग्राउण्ड में शुरुआत हुआ साथ ही निजात को लेकर पुलिस अधीक्षक ने सभी जनप्रतिनिधियों और युवाओ को नशे से दूर रहने के लिए शपथ भी दिलाया। वही दोनों टीमो के कप्तान के समक्ष पुलिस अधीक्षक के द्वारा टॉस किया गया वही टॉस के बाद खेल का शुरुआत की गई। सर्वप्रथम पुलिस अधीक्षक कोरिया ने बैटिंग कर के खेल की शुरुआत की। उक्त टूर्नामेंट में कुल 36 टीमों ने अब तक भाग लिया है जिसमें इंट्री फीस 1100 रूपये है, वही विजेता टीम को 11000 और उप विजेता टीम को 7000 का ईनाम कमेटी द्वारा रखा गया है। परम् ऑटोमोबाइल्स द्वारा मैन ऑफ द सीरीज के लिए साईकल का पुरस्कार रखा गया है।

मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया

होशंगाबाद। शासकीय नर्मदा महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा आज दिनांक बुधवार को मतदाता जागरूकता का कार्यक्रम किया गया। जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ ओ एन चौबे के निर्देशन में जागरुकता रैली निकाली गई। छात्र-छात्राओं द्वारा मतदाता जागरूकता के स्लोगन लिखे गए इसके पश्चात मतदाताओं को जागरूक करने के लिए मतदाता जागरूकता रैली निकालकर नारे लगाए गए ÷सारे काम छोड़ दो सबसे पहले वोट दो÷ जनमानस को मतदान करने की प्रेरणा दी वरुण शर्मा, साक्षी शर्मा, मुस्कान विश्वकर्मा, नीलम दायमा, कविता, रोशनी, शीतल, हेमंत, सुरेश, सुरेंद्र कुशवाहा, योगेश पवार आदि स्वयंसेवक उपस्थित रहे। एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर इरा वर्मा और डॉक्टर एसके दिवाकर एवं समस्त महाविद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

मतदाता जागरूकता विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया

होशंगाबाद। गुरुवार को शासकीय नर्मदा विद्यालय होशंगाबाद एनएसएस इकाई ने मतदाता जागरूकता विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया जिसमें प्रचार डाक्टर ओ एन चौबे जी ने छात्र-छात्राओं को मतदान करने की प्रेरणा दी व मतदान की उपयोगिता पर प्रकाश डाला निष्पक्ष मतदान करने की प्रेरणा छात्र-छात्राओं को दी डॉ आर एस बोहरे जिला संगठक राष्ट्रीय सेवा योजना में मतदान हेतु आवश्यक सुझाव दिए एक जागरूक मतदाता मैं क्या क्या विशेषता होनी चाहिए मतदाता को किस प्रकार कि सावधानी बरतनी चाहिए बताया डा बीएल राय विभाग अध्यक्ष भूगोल ने मतदाता को बिना प्रलोमन के निडर होकर मतदान करने को प्रेरित किया कार्यक्रम का संचालन इरा वर्मा ने किया व धन्यवाद डा सुनील दिवाकर ने किया। कार्यक्रम में छात्र छात्राओं ने भाग लिया। शिवम सैनी , दीपक सेन , निलेश ,उमेश , कमलेश आदि छात्र/छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रेरणा हिंदी प्रचार रथयात्रा

प्रेरणा साहित्य संस्था द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार हेतु संस्कारधानी जबलपुर मध्यप्रदेश से राजघाट नई दिल्ली तक प्रेरणा हिंदी रथयात्रा का आयोजन करने जा रही है। प्रेरणा हिंदी रथयात्रा के सूत्रधार कवि संगम त्रिपाठी ने बताया कि रथयात्रा के संयोजक कवि रामचंद्र प्रसाद कर्ण जी है व रथयात्रा का मार्ग प्रशस्त श्री शैलेन्द्र तिवारी जी करेंगे। प्रेरणा हिंदी रथयात्रा 10 जनवरी 2022 को विश्व हिंदी दिवस के दिन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित कर विचार व काव्य गोष्ठी आयोजित करेंगी। राजघाट में आयोजित गोष्ठी व आपके शहर दमोह,सागर, झांसी, ग्वालियर, आगरा, मथुरा , दिल्ली व आसपास क्षेत्रों के कवियों, साहित्य मनीषियों, शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं व पत्रकारों से अनुरोध है कि उपस्थित होकर आजादी के 75 वर्षो के पश्चात भी हिंदी की दशा और दिशा पर अपने विचार अभिव्यक्त कर हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने हेतु सार्थक संदेश व सहयोग हमें प्रदान करें। हिंदी प्रचार रथयात्रा की विभिन्न शहरों में गुजरने की तिथि जारी की जाएगी। कवि संगम त्रिपाठी संस्थापक प्रेरणा साहित्य संस्था ने कवियों, साहित्य मनीषियों, पत्रकारों व बुद्धिजीवियों से अनुरोध किया है कि अमृत महोत्सव के सुअवसर पर आयोजित हिंदी प्रचार रथयात्रा में अमूल्य योगदान प्रदान कर इस ऐतिहासिक आयोजन के सहभागी बने व प्रेरणा साहित्य संस्था द्वारा आयोजित प्रेरणा हिंदी प्रचार रथयात्रा को आशीर्वाद प्रदान करने की कृपा करें।

धन्यवाद
कवि संगम त्रिपाठी
संपर्क-9407854907
जबलपुर मध्यप्रदेश

कोरिया पुलिस द्वारा महज कुछ दिनों में हो रहा है नौकरी हेतु क्लियरेंस व पासपोर्ट वेरिफिकेशन

कोरिया। पुलिस अधिकारी द्वारा वेरिफिकेशन कर जारी किया जाने वाला चरित्र प्रमाण पत्र या पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट किसी भी गवर्नमेंट, प्राइवेट डिपार्टमेंट, लोक सेवा केंद्र, कंपनियों में नौकरी या काम करना या स्कूल व कॉलेज में एडमिशन के समय मे भी कई बार आवश्यक होता है। साथ ही पासपोर्ट हेतु पुलिस वेरिफिकेशन अभ्यर्थी के आवेदन व तय स्लाट पर पासपोर्ट कार्यालय में दस्तावेज जमा करने के बाद विभाग द्वारा पुलिस वेरिफिकेशन के लिए फाइल को एसपी कार्यालय को भेज जाती है। जहां से उसे संबंधित थाना को भेज दिया जाता है। इन

वेरिफिकेशन जांच के लिए थाने से कोई पुलिसकर्मी पते की जांच के लिए खुद जाता है, इसके दौरान आवेदक का नाम, उम्र, पता और अन्य जानकारियां प्रमाणित की जाती हैं, इन जानकारियों के प्रमाणित होने के बाद लोकल पुलिस थाने से एक रिपोर्ट जिला विशेष शाखा

नागरिक सेवाओं में सुविधा बढ़ाने की एसपी संतोष सिंह की पहल ला रही है रंग

पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर भेजी जाती है और इसी के बाद पुलिस वेरिफिकेशन पासपोर्ट हेतु जारी किया जाता है।

अभी तक साधारण व तत्काल पासपोर्ट बनवाने में 21 दिनों में पुलिस को वेरिफिकेशन करके अपनी रिपोर्ट भेजनी होती थी, जिसे घटाकर अब 15 दिन कर दिया गया है। कोरिया पुलिस अधीक्षक सन्तोष कुमार सिंह द्वारा जिले में लोगों की सुविधा बढ़ाने हेतु पहल की की गई है जिसमें एसपी कार्यालय द्वारा महज कई आवेदनों पर एक-दो दिन में ही सूचना प्रद्योगिकी के साधनों जैसे व्हाटसप मैसेज/वीडियो कॉल आदि का प्रयोग कर पुलिस वेरिफिकेशन कर रिकॉर्ड बनाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय की उपलब्ध जानकारी अनुसार विगत 03 माह में कुल 124 पासपोर्ट वेरिफिकेशन किया गया है जिसमें 04 दिनों में 10, 02-03 दिनों में 59 एवं महज 01 दिन में 55 लोगो के पासपोर्ट पुलिस वेरिफिकेशन किया गया है। वही स्थिति पुलिस के द्वारा प्रदाय किए जाने वाले चरित्र प्रमाण पत्र/पुलिस क्लियरेंस का है।

सूचना के अधिकार अधिनियम को दरकिनार कर अड़ियल रवैया अपनाए हुए है कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय सोनहत अधीक्षका

कोरिया। जिले के सोनहत में इन दिनों सूचना के अधिकार अधिनियम को दरकिनार करते हुए साथ ही अड़ियल रवैया अपनाते हुए अधिकारी आवेदक को ठेंगा दिखा रहे है। जन सूचना अधिकारी आवेदन की समयावधि पूर्ण हो जाने के बाद भी टस से मस नही हो रहे है। कार्यालय में आरटीआई के नियम कायदों को ताक में रख दिया गया है।और आरटीआई के तहत प्राप्त आवेदन का समय रहते सूचना प्रदान करना उचित नही समझते जो कही न कही सूचना के अधिकार अधिनियम की धाराओं का इनके द्वारा खुला उलंघन साफ है। जानकारी के मुताबिक लगभग डेढ़ माह पूर्व कुछ जानकारी हेतु आवेदक के पंजीकृत माध्यम से कार्यालय आवेदन भेजा गया था । 35 दिन बीत जाने के बाद भी कार्यालय से सूचना के अधिकार द्वारा आवेदन संबंधित कोई जानकारी आवेदक को नही दी गई । जो इस बात की ओर इशारा करती है कि आवेदन संबंधी जानकारी देने में अधिकारी टाल मटोल कर रहे है । अब आवेदक ने जानकारी न मिलने की स्थिति में सूचना के अधिकार अधिनियम के धाराओं के तहत प्रथम अपील किया है।अब देखना होगा अपील अधिकारी इस मामले पर क्या कार्यवाही करते है । या फिर ओ भी भ्रष्टाचारी का साथ देगे।

ई-ऑफिस एप्लिकेशन की सुरक्षा के बिन्दु निर्धारित

सीहोर। ई-ऑफिस एप्लीकेशन की सुरक्षा को दृष्टिगत शासन स्तर से जारी किये जाने वाले निर्देशों का प्रारूप (ड्राफ्ट) के लिये बिन्दु निर्धारित किये गये है। जारी बिन्दु अनुसार इलेक्ट्रॉनिक फाइलों पर डिजिटल सिग्नेचर टोकन का उपयोग किया जाये, गोपनीय एवं अति गोपनीय दस्तावेजों को केवल भौतिक रूप से ही प्रस्तुत किया जाना चाहिए,केवल सुरक्षित नेटवर्क जैसे एनआईसी नेट, स्वान, एनकेएन के माध्यम से ही ई-ऑफिस वेब एप्लिकेशन का उपयोग किया जाना चाहिये।

दो परिवार के लिए 2021 बना वरदान, कुछ लोगों के विरोध के बाद भी अपनाया परिवार

अनूपपुर/झीमर-कैलाश अहिरवार। आज से लगभग 50 वर्ष पूर्व एक परिवार में छः सदस्य हुआ करते थे पति पत्नी व उनके चार बच्चे। आपस मे किसी बात को लेकर एक भाई ने घर छोड़ने का फैसला किया। और कुछ दिनों बाद मौका देखकर वह घर से दूर अपनो को छोड़कर बाहर जीवन यापन करने की सोच कर कमाने के लिए निकल गये। घर छोड़ने के बाद कुछ दिनों तक इधर उधर भटकते रहे। फिर एक अंजान शक्स ने उन्हे सहारा दिया और अपनी औलाद की तरह उसे अपने घर मे पनाह दी, सहारा मिलने के बाद यंही झीमर (भुकभूका) में रुकने का फैसला किया। और कुछ दिनों तक इनके साथ रहने लगा।और इन्होंने मुझे अपना बेटा और मैंने भी पिता के रूप में स्वीकार कर लिया। यंहा की रोड सेल में काम करने लगा। फिर कुछ दिनों तक चाय भी बेचा। और जानकारी हुई कि चक्का उठाकर कॉलरी में भर्ती हो रही है।तो मैंने भी वजन उठाया और मेरी भी भर्ती हो गई। कुछ दिनों तक परिवार के सदस्यों द्वारा घर छोड़कर गए हुए अपने बेटे व भाइयों ने वापसी का इंतजार किया ।अपने रिश्तेदारों में भी खोज बीन की गई । किंतु कोई जानकारी नही मिली। और आगे जीवन की राह में निकल पड़े। आखिरकार परिवार को छोड़कर बच्चा गया कँहा। और क्या कर रहा था कुछ दिनों बाद वह मेरा विवाह हुआ और मैं विवाह कर वैवाहिक जीवन व्यतीत करने लगा। और मेरी पत्नी से मुझे एक पुत्री व तीन पुत्र की प्राप्ति हुई । बाद मे धीरे धीरे कुछ समय बीतता गया और बच्चे बड़े हो गए। कुछ समय बाद मैं काफी बीमार रहने लगा और आये दिन हॉस्पिटल में भर्ती रहने लगा। और मैं अपनी मृत्यु से पहले अपनी पत्नी को अपने खानदान व घर छोड़ने की पूरी बात विस्तार पूर्वक जानकारी दिया और सभी बातों को गोपनीय ही रखने को कहा। और काफी समय बीतने के बाद महिला सन 2019 में अपने पुत्र को सारी बातें बताई। माँ की बातों को सुनकर बड़े पुत्र के आंखों में आंसू भर आया। और उस गांव में जाकर पता लगाने लगे कि क्या यह घटना वास्तव में सही थी।

गांव के सरपंच ने की इस बात की पुष्टि

आपको बताना चाहूंगा कि यंहा के सरपंच 1983 से ग्राम पंचायत के सरपंच की गद्दी सम्हाल रहे है और यंहा के लोगो को इन पर बहुत विश्वास है। मजे की बात तो यह है कि यह मामला भी ग्राम पंचायत भाद का है जंहा पनिका समाज के एक पुत्र स्वर्गीय रज्जू उर्फ राजकुमार पनिका की पुष्टि गांव के सरपंच के द्वारा किया गया । और बताया गया कि एक परिवार के तीन पुत्रो में एक पुत्र लगभग 50 वर्ष पूर्व किन्हीं कारणों से घर छोड़कर चला गया था। यह व्यक्ति जिसका नाम राजकुमार पनिका था जो कि आज इस दुनिया मे नही है। किंतु परिवार के कुछ सदस्यों ने तो अपने बिछड़े हुए भाई के परिवार को स्वीकार कर लिया किंतु कुछ ने आपत्ति भी जताई। लगभग 2 साल बाद परिवार के सभी सदस्यों में से एक ने आज भी स्वीकार नही किया ।बाकि सभी ने इस बात को स्वीकार कर अपना परिवार का सदस्य मान लिया। कि यह हमारा ही परिवार है।और अपने भाई की मृत्यु से काफी दुखी थे किंतु इस बात से काफी खुश थे कि हमारा बिछड़ा हुआ खानदान आज कई सालों बाद मिल ही गया। हमारे साथ हैं।

जाने अनजाने में ग्राम पंचायत भाद बना, शिवसैनिकों का गढ़

बिछड़े हुए परिवारों से मिलकर सभी की आंखे नम हो गई।बिछड़ा हुआ परिवार कोई और नही है। शिवसेना के प्रदेश उपाध्यक्ष ,शिवसेना की जान, शिवसेना की आन बान, शिवसैनिकों के दिलों में बसने वाले माननीय बृजलाल पनिका उर्फ राजवीर पनिका का परिवार है। जो कि जाने अनजाने में ग्राम पंचायत भाद में शिव सैनिकों की फौज इकट्ठा करते चले गए।और लगभग पूरा का पूरा गांव शिवसैनिकों से भरा पड़ा है यह जानकर शिवसैनिकों में हर्ष व्याप्त है या ये भी कह सकते है शिवसैनिकों का गढ़ ग्राम पंचायत बना भाद। आज से पूर्व भी राजनगर में एक सरदार का परिवार कई साल से बिछड़ने के बाद मिला।और उस परिवार में खुशियां भर आई । लोग हमेशा कहते है कि साल का आखिरी महीना कुछ न कुछ हमेशा छीन लेता है किंतु दो परिवारों के लिए 2021 वरदान साबित हो रहा है। लावारिस फ़िल्म का एक गाना।मुझे याद आ रहा हैकब के बिछड़े हुए आ के हम यहां आज मिले इन दोनों परिवारों के लिए यह गाना बिल्कुल फिट बैठता है।

आवश्यकता

युवा प्रदेश नेटवर्क

मध्यप्रदेश के सभी जिले व तहसीलों में संवाददाता नियुक्त किये जाने है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें।

युवा प्रदेश नेटवर्क,
प्रधान संपादक-नागेश नरवरिया
भोपाल (मप्र)मो.- 9755364204

खाद्यान्न सामग्री को जलाने वाले देवाडांड प्रधान पाठक हुए निलंबित

ब्लॉक अध्यक्ष मनोज साहू की नाराजगी पड़ी भारी

कोरिया/खड़गवां। पूर्व माध्यमिक शाला देवाड़ाड के प्रधान पाठक जयधन कुजुर की लापरवाही के वजह से सरकार के द्वारा बच्चों को वितरण के लिए भेजा गया लाखों की खाद्य सामग्री खराब हुई तो ब्लाक अध्यक्ष मनोज साहू मुखर हो गये। ज्ञात हो कि ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मनोज साहू ने ग्रामीणों के साथ मिलकर सरपंच के उपस्तिथि में विद्यालय का अतिरिक्त कक्ष को खुलवाया तो देखा गया कि 20 बोरी से अधिक करंज चूड़ा एवं मुर्रा खराब पड़े हुए थे जिसे देखकर ब्लॉक अध्यक्ष मनोज साहू द्वारा नाराजगी व्यक्त की गई और तत्काल इसकी सूचना ब्लॉक शिक्षा अधिकारी द्वारिका प्रसाद मिश्रा को दी गई जिसके बाद आनन-फानन में प्रधान पाठक जयधन कुजुर के द्वारा तत्काल खराब पड़े सामग्री को आग के हवाले कर दिया गया। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी जांच पर आये तो उन्होंने देखा की लगभग 20 बोरी सामग्री को आग के हवाले कर दी गई थी।

माध्यमिक शाला देवाडांड में पदस्थ है। ब्लॉक अध्यक्ष मनोज साहू ने बताया कि विकासखंड शिक्षा अधिकारी खड़गवां द्वारा जांच प्रतिवेदन बनाकर जिला शिक्षा अधिकारी को प्रेषित कर दिया गया है परंतु जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा इसपर कोई कार्यवाही नहीं की जा रही थी तब इस पर उन्होने तुरंत संज्ञान लेकर संभागीय कार्यालय को इसकी सुचना दी और निवेदन किया कि अगर कार्रवाई नहीं हुई तो हमें मजबूरी बस जिला शिक्षा अधिकारी के कार्यालय का घेराव करना होगा जिस पर संज्ञान लेते हुए तत्काल कार्यालय संभागीय संयुक्त संचालक सरगुजा संभाग द्वारा प्रधान पाठक को प्रथम दृष्टया आरोपी मानते हुए निलंबित किया गया साथ ही निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय सोनहत किया गया है। ब्लॉक अध्यक्ष मनोज साहू ने कहा यह तो केवल शुरुआत है क्षेत्र में एक भी ऐसे अधिकारी एवं कर्मचारी नहीं बक्शे जायेंगे जो सरकार के योजनाओं को फेल करने का काम करते हैं या आम जनता एवं ग्रामीण जनों का काम करने में आनाकानी करते हैं ऐसे अधिकारी कर्मचारियों के खिलाफ अब सीधे लड़ाई लड़ी जायेगी।

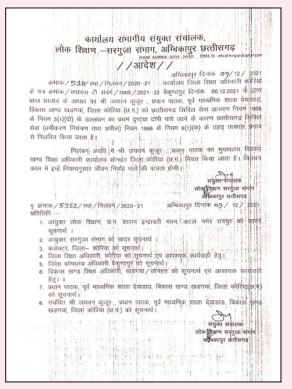

कार्यालय संभागीय संयुक्त संचालक, लोक शिक्षण -सरगुजा संभाग, अम्बिकापुर छत्तीसगढ़

//आदेश//

अधिकारियों के पूछताछ के पश्चात पता चला कि लॉकडाउन के समय से ही यह सामग्री बच्चों को वितरण के लिए आया था और प्रधान पाठक द्वारा वितरण नहीं किया गया जिससे वह खराब हो गए प्रधान पाठक की लापरवाही की वजह से शासन को लाखों रुपयों का नुक्सान हुआ है। जिस पर ब्लॉक अध्यक्ष मनोज साहू ने नाराजगी वक्त करते हुए तत्काल इसकी सूचना क्षेत्रीय विधायक डॉ विनय जायसवाल एवं शिक्षा मंत्री प्रेमसाय सिंह टेकाम को दी एवं कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की मांग की थी। ब्लॉक अध्यक्ष ने बताया कि इसके पूर्व भी इस प्रधान पाठक के ऊपर चावल गबन का आरोप था जिसे अधिकारी द्वारा जांच कर कार्रवाई की गई थी और उसका ट्रांसफर भी कराया गया था पर फिर इस अधिकारी ने चार-पांच साल बाद फिर उसी स्कूल में अपना ट्रांसफर करा ली और लगभग 10 वर्षों से पूर्व

12 दिसम्बर 2018 को भरतपुर सोनहत में खिला गुलाब और फिर बही विकास की गंगा

विधायक गुलाब कमरो ने 3 साल में विधानसभा क्षेत्र को 800 करोड़ के विकास कार्यो की दी सौगात।

कोरिया। छत्तीसगढ़ सरकार को 3 साल पूरे हो गये हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में सरकार ने शानदार 3 साल पूरे किये। इन 3 सालों में सरकार का पूरा फोकस विकास पर ही रहा। 11 दिसम्बर की देर रात नतीजे स्पष्ट हो पाए और भारी बहुमत से भूपेश बघेल की सरकार बनी, वही कोरिया जिले में भरतपुर सोनहत विधानसभा में सबसे ज्यादा वोटों जितने वाले गुलाब कमरो विधायक बने , विधायक बनने के बाद से ही गुलाब कमरो अपने क्षेत्र में सघन दौरा जन संपर्क कर विकास कार्यो के स्वीकृति का शंखनाद किया जो अभी तक अनवरत जारी है । भरतपुर सोनहत विधानसभा मे यदि विकास कार्यो का आंकलन किया जाए तो 3 सालों में लगभग 800 करोड़ रुपये के विकास कार्यो की स्वीकृती विधायक कमरो के नेतृत्व में मिली

निष्ठा और समपर्ण भावना से जनता के लिए काम करता रहूंगा -विधायक: विधायक गुलाब कमरो ने कहा कि आम जनता की समस्याओं का बेहतर निराकरण, एवं उनकी मांगे पूरी हो इस उद्देश्य से जनता ने मुझे अपने काम करवाने के लिए एक

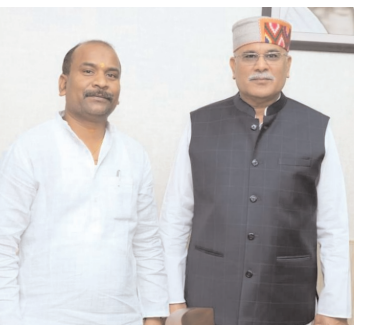

माध्यम के रूप में विधायक चुना है। हमारा यही दायित्व है कि हम हर समय जनता के कामों के लिए तत्पर रहें। आज जनता के आशीर्वाद से ही विधायक के रूप में कार्य कर रहा हु। मैंने अपनी पूरी निष्ठा व समर्पण भावना से जनता के लिए काम किया है और हमेशा करता रहूंगा, यही मेरी प्राथमिकता है। पिछले तीन साल में हमने भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र में विकास के कई कीर्तिमान स्थापित किये हैं। बीते कई दशकों में जनता की जो मांगे पूरी नहीं हो पाई उन्हें हमने पूरा करने का प्रयास किया है। आगे भी विकास के इस क्रम को हम निरंतर जारी रखेंगे और विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास की मंशा को पूरा करेंगे। विधायक गुलाब कमरो ने बताया कि मुख्य मंत्री भुपेश बघेल ,विधानसभा अध्यक्ष डॉ महंत, एवं सांसद ज्योत्स्ना महंत के के अशीर्वाद से इस क्षेत्र के विकास में लगा हुआ हूं। क्षेत्रफल की दृष्टि से बहुत बड़ा विधानसभा एवं प्रतिकूल भगौलिक परिस्थिति होने के बावजूद क्षेत्र का सतत विकास हो रहा है,

3 साल की उपलब्धियों की फैक्ट फाइल

1 भरतपुर सोनहत में 44 नवीन ग्राम पंचायतों का सृजन
2 भरतपुर सोनहत में 7 नवीन धान खरीदी केंद्र व 2 नवीन सहकारी समिति का सृजन
3 आजादी के बाद पहली बार आनंदपुर गोयनी से नटवाहि मार्ग पर सीसी सड़क घाट कटिंग लगभग 1 करोड़ 70 लाख
4 आजादी के बाद से पहली बार सोनारी बसवाहि से केशगवा पक्की सड़क निर्माण 2करोड़ 96 लाख
5 आजादी के बाद पहली बार सुंदरपुर पटेल पारा में पक्की सड़क निर्माण।

एसईसीआर में नहीं मिल रही जनरल टिकट

अनूपपुर (ब्यूरो)। बिलासपुर कटनी रेल सेक्शन का एवं सीआईसी रेल सेक्शन का दुर्भाग्य है कि यहां का जनप्रतिनिधि जो केंद्रीय नेतृत्व को बिलॉन्ग करता है जिसे हम सांसद कहते हैं उनके सुस्त रवैया के चलते रेलवे का लाभ इस सेक्शन के लोगों को नहीं मिल पा रहा है। बताया गया कि पश्चिम मध्य रेलवे ने भोपाल-बिलासपुर, जबलपुर-अंबिकापुर में जनरल टिकट अपने स्टेशनों से प्रारंभ कर दिया।लेकिन एसईसीआर के स्टेशनों में जनरल टिकट आज भी इन ट्रेनों के लिए उपलब्ध नहीं हो पा रही।यह दुर्भाग्य है रेलवे का की एक और टिकट दे रही है और दूसरे और उन्हीं ट्रेनों में रिजर्वेशन करा कर जाना पड़ता है।

जनप्रतिनिधि सांसद का दायित्व होता है की रेलवे को मजबूर करें कि जब अन्य रेलवे जनरल टिकट की सुविधा चालू कर दी है तो बिलासपुर जोन इस मामले में पीछे क्यों

है।आज भी इस रेलवे में मेमू ट्रेनों को स्पेशल में चलाया जा रहा है गरीबों की ट्रेन में ज्यादा किराया वसूल किया जा रहा है यह न्याय संगत नहीं है।सच्चाई तो यह है कि बिलासपुर कटनी एवं सीआईसी रेल सेक्शन के लोग शांतिपूर्ण तरीके से व्यवस्था बनाने का कार्य कर रहे हैं रेलवे से बार-बार मांग कर रहे हैं लेकिन रेलवे उनकी शांति का नाजायज फायदा उठा रहा है।अगर यही हाल रहा तो अब रेलवे सेक्शन के लोगों को आगे आना होगा क्योंकि जिस सांसद को हमने चुना है वह हमारे किसी काम की नहीं है क्योंकि उसे आम जनता की तकलीफों से कोई लेना-देना नहीं। 2 वर्ष हो गया पूरी ट्रेनें भी नहीं चल पाई पता नहीं रेलवे जानबूझकर बिलासपुर कटनी एवं सीआईसी रेल सेक्शन वालों को परेशान करने में लगा हुआ है।गुड्स ट्रेनों के लिए कोई नियम कानून नहीं है यह ट्रेन बेहिचक चल रही हैं लेकिन यात्री ट्रेनों पर काम का बहाना बताकर ट्रेनों को निरस्त कर दिया जाता है यह अच्छी बात नहीं है।एक बार आवश्यकता है रेल सेक्शन के लोगों से की एकजुटता का परिचय देकर बिलासपुर जोन सहित रेल मंत्रालय को हिलाने के लिए संघर्ष का मूड बनाकर रेलवे लाइनों पर उतरना होगा आवाज बुलंद करना होगा अन्यथा रेलवे गुड्स ट्रेनों को प्राथमिकता देगी और यात्री सुविधाएं वंचित चली आएंगी।

वैज्ञानिक पद्धति से मधुमक्खी पालन आर्थिक स्वावलंबन का सस्ता साधन विषय पर वेबीनार का आयोजन किया जा रहा है

होशंगाबाद। शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद द्वारा प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन में गुरुवार से शनिवार तक मेपकास्ट के सौजन्य से ''वैज्ञानिक पद्धति से मधुमक्खी पालन आर्थिक स्वावलंबन का सस्ता साधन'' विषय पर वेबीनार का आयोजन ऑनलाईन और ऑफलाईन दोनो मोड में किया गया। वेबीनार के प्रथम दिवस मुख्य वक्ता डॉ. ए.के. तिवारी भूतपूर्व निदेशक दलहन विकास कृषि मंत्रालय भारत सरकार, विशिष्ट वक्ता श्री निशार कुरैशी निदेशक सेंटर ऑफ डिस्कवरी फॉर विपेज डेवलपमेंट मंडल, डॉ एस.के. तिवारी वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र हरदा, प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन, संयोजक डॉ. अरूण सिकरवार, सहसंयोजक डॉ. रश्मि श्रीवास्तव, डॉ. कंचन ठाकुर, सचिव डॉ. श्रीकान्त दुबे, ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान की।

माँ सरस्वती की पूजन एवं दीप प्रज्जवल के साथ वेबीनार का शुभारंभ किया गया। प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने अपने उद्बोधन में मेपकास्ट की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सरोज बोकिल का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि इनका सहयोग और मार्गदर्शन इस महाविद्यालय और व्यक्तिगत रूप से मुझे प्राप्त होता रहा है। मेपकास्ट के माध्यम से महाविद्यालय में मशरूम उत्पादन इकाई, वर्मी कंपोस्ट इकाई, बायोगेस इकाई के परमानेंट स्टेज्क्चर उपलब्ध हैं जिसमें छात्राओं और जनसमुदाय को सतत् प्रशिक्षण दिया जाता है। आज भी इस बेवीनार में जनसमुदाय को जोडने का प्रयास किया गया है। प्रसार सामग्री के रूप में मधुमक्खी पालन पर एक पुस्तिका का भी निर्माण किया गया है। मुख्य अतिथि डॉ. ए.के. तिवारी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जो अति व्यस्त होने के बाद भी वे अपने अनुभवो को बेवीनार के माध्यम से हमारे साथ साझा करेंगे। जिसमें मधुमक्खी की महत्ता, गुण, उत्पादन एवं रोजगार की जानकारी से जुडे महत्वपूर्ण तथ्यों की जानकारी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। द्वितीय वक्ता श्री निशार खान का आभार व्यक्त किया। उनके द्वारा दी जाने वाली जो जानकारी हमें प्राप्त होगी वह परमानेंट स्टेज्क्चर, कृत्रिम छत्ते के लिए निश्चित रूप से लाभदायी होगी। तृतीय वक्ता डॉ. एस.के. तिवारी जो महाविद्यालय की प्रतिभा बैंक के सम्मानित सदस्य है जो 2010 से महाविद्यालय के सम्पर्क में है उनका सतत् सहयोग हमें प्राप्त होता रहा है। उनके अनुभव हमारे लिए प्रेरणा दायक रहे है। डॉ. जैन ने कहा कि मधुमक्खियों की महत्ता के संबंध में वैज्ञानिकों ने बहुत महत्वपूर्ण अनुसंधान किये है जिनसे निष्कर्ष प्राप्त हुआ है कि मधुमक्खियोंकी संख्या में सतत् वृद्धि किया जाना मानव जीवन के अस्तित्व के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। मधुमक्खी का शहद हजारों साल तक भी खराब नही होता है यह एक मात्र ऐसा खाद्य है जिसके अंदर जिंदगी जीने के लिए आवश्यक सभी चीजें पाई जाती है। हमें जीने के लिए 84 पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है, जबकि शहद में 83 तत्व पाये जातें है। यह वेबीनार इस संबंध में नवीन जानकारी से अवगत करायेगा ऐसी आशा है। वेवीनार संयोजक डॉ. अरूण सिकरवार ने बताया कि इस महाविद्यालय में में मधुमक्खी के पालन के प्रशिक्षण की प्रक्रिया एवं शहद का उत्पादन विगत दो वर्षो से अनवरत जारी है। आज के समय में कोविड - 19 महामारी एवं भारत में बढ़ती जनसंख्या को देखते हुए रोजगार एवं स्वरोजगार की अत्यधिक आवश्यकता महसूस की जा रही है इसी को ध्यान में रखते हुए

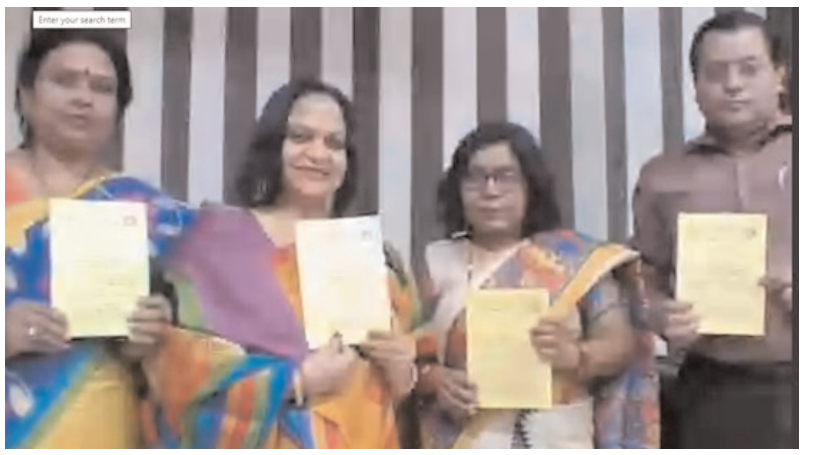

महाविद्यालय द्वारा मधुमक्खी पालन से आर्थिक स्वावलंबन कैसे प्राप्त हो इस विषय पर यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। मुख्य अतिथि डॉ. ए.के. तिवारी भूतपूर्व निदेशक दलहन विकास कृषि मंत्रालय भारत सरकार ने मधुमक्खी से जुडी कुछ रोचक जानकारी दी जैसे - मधुमक्खियों की 20,000 से ज्यादा प्रजातियॉ है लेकिन इनमें से सिर्फ 5 ही शहद बना सकती है, मधुमक्खी धरती पर अकेली ऐसी कीट है जिसके द्वारा बनाया गया भोजन मनुष्य द्वारा खाया जाता है, केवल मादा मधुमक्खी ही शहद बना सकती है, मधुमक्खी 24 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उडती है और 1 सेकण्ड में 200 बार पंख हिलाती है, मधुमक्खी फूलों की तलाश में छत्ते से 10 किमी तक दूर चली जाती है यह एक बार में 50 से 100 फूलों का रस अपने अंदर इकट्ठा कर सकती है, मधुमक्खी अपनी पूरी जिंदगी में चम्मच के 12वें हिस्से जितना ही शहद बना पाती है, इनकी जिंदगी 45 से 120 दिन की होती है। विशिष्ट वक्ता श्री निशार कुरैशी निदेशक सेंटर ऑफ डिस्कवरी फॉर विपेज डेवलपमेंट मंडल ने मधुमक्खी की किस्मों के बारे में बताते हुए कहा कि भारत में मुख्यरूप से मधुमक्खी की चार प्रजातियॉ पाई जाती है छोटी मधुमक्खी, पहाडी मधुमक्खी, देशी मधुमक्खी, इटेलियन मधुमक्खी, देशी मधुमक्खी प्रतिवर्ष औसतन 5 से 10 किग्रा शहद प्रति परिवार तथा इटेलियन मधुमक्खी 50 किग्रा तक शहद का उत्पादन करती है। शहद को शहद नहीं सेहत मानिये शहद उत्पादन में भारत 5 प्रमुख देशों में सम्मिलित हो चुका है। डॉ एस.के. तिवारी वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र हरदा ने बताया कि मधुमक्खी कीट वर्ग का प्राणी है मधुमक्खी से हमें जो शहद प्राप्त होता है वह अत्यंत पौष्टिक होता है मधुमक्खियां झुंड बनाकर रहती है इस झुंड में एक रानी कई सौ नर और शेष श्रमिक होते है। यह एक विशेष प्रकार के छत्ते में रहती है एवं यह मोम से बनता है इसके वंश एपिस में 07 जातियॉ एवं 44 उपजातियॉ पाई जाती है। मधुमक्खी नृत्य के माध्यम से अपने परिवार के सदस्यों को पहचानती है।

परागकणी जीवों में मधुमक्खी का सर्वाधिक स्थान है। कुछ फसलों पर पराकण संबंधी परीक्षण वैज्ञानिको द्वारा कियो गये है, इनसे यह सिद्ध हुआ है कि इस एक रूपये का शहद और मोम देती है तो 10 रूपये की कीमत के बराबर उत्पादन बढा देती है। वेबीनार का सफल संचालन डॉ. अरूण सिकरवार ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. श्रीकान्त दुबे ने किया। वेबीनार में ऑनलाईन और ऑफलाईन लगभग 500 विद्यार्थियों, प्राध्यापकों ने भाग लिया। वेबीनार में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. किरण पगारे, डॉ. वर्षा चौधरी, डॉ. भारती दुबे, डॉ. संगीता अहिरवार, डॉ. संध्या राय, डॉ. रश्मि श्रीवास्तव, डॉ. कंचन ठाकुर, डॉ. श्रीकान्त दुबे, डॉ. रागिनी सिकरवार तथा डॉ. संध्या मुरे उपस्थित रहें। इस अवसर पर डॉ. कीर्ति दीक्षित, श्रीमती प्रीति ठाकुर, श्रीमती आभा बाधवा, डॉ. निशा रिछारिया, कु सौम्या चौहान, शिवानी चौबे ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

संपादकीय

कोई नेता कुछ भी दावे करे, हिन्दुत्व की राजनीति में भाजपा की जगह लेना असंभव-सा है

अगले साल ही हिमाचल प्रदेश और गुजरात में भी विधानसभा चुनाव होने हैं। गुजरात को तो हिन्दुत्व की प्रयोगशाला भी बताया जा चुका है और हिमाचल में भी हिन्दू मतदाताओं की संख्या ही सर्वाधिक है इसलिए वहां के मतदाताओं को भी संदेश दिया गया है। चुनावी मौसम है तो सभी नेता जनता को लुभाने के लिए तमाम तरह के प्रयास कर रहे हैं। जो नेता कभी हिंदू की बात नहीं करते थे, जो नेता कभी मंदिर नहीं जाते थे वह आज खुद को हिंदू बता रहे हैं और मंदिर-मंदिर जा रहे हैं। मंदिर जा ही नहीं रहे हैं बल्कि माथे पर बड़ा-सा तिलक और चंदन का लेप भी लगा रहे हैं। कोई मुख्यमंत्री सार्वजनिक मंच से हनुमान चालीसा का पाठ कर रहा है तो कोई मुख्यमंत्री चंडी पाठ कर रहा है। एक प्रतिस्पर्धा-सी चल रही है खुद को भाजपा से बड़ा हिंदू और रामभक्त या शिवभक्त दर्शाने की। दूसरी ओर भाजपा चूंकि शुरू से ही हिन्दू और हिन्दुत्व की बात करती रही है इसलिए चुनावों से पहले वह जनता को यह दिखा रही है कि उसने धार्मिक स्थलों के विकास के जरिये अर्थव्यवस्था को लाभ पहुँचाने और लोगों के जीवन में बदलाव लाने के लिये क्या-क्या काम किये। अपनी बात को सर्वाधिक प्रभावी तरीके से कहना भाजपा अच्छे से जानती है इसलिए सबने देखा कि काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के लोकार्पण के समय वाराणसी में कैसा भव्य आयोजन हुआ। कॉरिडोर के लोकार्पण के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों ने एक साथ गंगा आरती में भी शिरकत की। प्रधानमंत्री ने क्रूज पर मुख्यमंत्रियों के साथ भव्य गंगा आरती देखी तो राजनीतिक लिहाज से एक नया इतिहास बन गया। गंगा आरती के दौरान प्रधानमंत्री के साथ क्रूज पर सवार होने वालों में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के अलावा 12 मुख्यमंत्रियों के अलावा, भाजपा शासित राज्यों के उपमुख्यमंत्री और उनके परिवार के सदस्य भी सवार थे। अब भाजपा की यह हिन्दुत्व पॉलिटिक्स विद फैमिली अयोध्या में भी दिखाई दी। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों, उपमुख्यमंत्रियों और उनके परिजनों के साथ रामनगरी अयोध्या पहुँचे। यहां भाजपा नेताओं ने सरयू तट पर आरती की, हनुमानगढ़ी मंदिर में पूजा अर्चना की और रामलला के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। देखा जाये तो श्रीराम जन्मभूमि पर राम मंदिर निर्माण के लिए बरसों तक आंदोलन चलाने वाली भाजपा को इसका जबरदस्त चुनावी लाभ भी मिलता रहा है।

किसान आंदोलन तो खत्म हो गया अब कैसे नेतागिरी करेंगे राकेश टिकैत ?

नया कृषि कानून वापस हो गया है, इससे किसे फायदा होगा, किसको नुकसान, यह तो समय ही बताएगा, लेकिन इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि साल भर से अधिक समय तक चले आंदोलन में कई उतार-चढ़ाव देखने को मिले। आंदोलनकारियों में जहां सत्ता पक्ष के प्रति तल्खी दिखाई दी तो विपक्ष ने भी खूब सियासी रोटियां सेंकी। मोदी सरकार ने भी आंदोलन खत्म करने के लिए कई हथकंडे अपनाए। कई महीने तक तो किसान नेताओं और सरकार के बीच किसी तरह का कोई संवाद ही नहीं हुआ। आंदोलनकारियों पर आरोप लगा कि उन्हें विदेश से फंडिंग की जा रही है, खालिस्तान की मांग करते लोग भी यहां दिखाई दिए। 26 जनवरी को लाल किले पर जो हुआ उसे भी कोई याद रखना नहीं चाहेगा।

मोदी सरकार ने भी आंदोलन खत्म करने के लिए कई हथकंडे अपनाए। कई महीने तक तो किसान नेताओं और सरकार के बीच किसी तरह का कोई संवाद ही नहीं हुआ। आंदोलनकारियों पर आरोप लगा कि उन्हें विदेश से फंडिंग की जा रही है, खालिस्तान की मांग करते लोग भी यहां दिखाई दिए। नए कृषि कानून के खिलाफ किसान आंदोलन खत्म हो गया है। इस आंदोलन के माध्यम से राकेश टिकैत ने यह साबित कर दिया है कि वह भी अपने पिता चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की तरह बड़ा आंदोलन चलाने की काबिलियत रखते हैं। पिता महेंद्र सिंह टिकैत अपनी जिद्द के बल पर किसी भी सरकार को बैकफुट पर खड़ा कर दिया करते थे।

नया कृषि कानून वापस हो गया है, इससे किसे फायदा होगा, किसको नुकसान, यह तो समय ही बताएगा, लेकिन इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि साल भर से अधिक समय तक चले आंदोलन में कई उतार-चढ़ाव देखने को मिले। आंदोलनकारियों में जहां सत्ता पक्ष के प्रति तल्खी दिखाई दी तो विपक्ष ने भी खूब सियासी रोटियां सेंकी। मोदी सरकार ने भी आंदोलन खत्म करने के लिए कई हथकंडे अपनाए। कई महीने तक तो किसान नेताओं और सरकार के बीच किसी तरह का कोई संवाद ही नहीं हुआ। आंदोलनकारियों पर आरोप लगा कि उन्हें विदेश से फंडिंग की जा रही है, खालिस्तान की मांग करते लोग भी यहां दिखाई दिए। 26 जनवरी को लाल किले पर जो हुआ उसे भी कोई याद रखना नहीं चाहेगा।

वह घटना किसान आंदोलन पर एक बदनुमा दाग था। आंदोलन के विस्तार की बात की जाए तो यह आंदोलन कभी पूरे देश के किसानों का आंदोलन नहीं बन पाया। पंजाब, हरियाणा में आंदोलन का जबरदस्त प्रभाव देखने को मिला तो पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ जिले ही आंदोलन से प्रभावित हुए। किसान नेता राकेश टिकैत की लखनऊ में डेरा डालने की हसरतें पूरी नहीं हो पाईं। आंदोलन खत्म जरूर हो गया है, मगर किसानों की कुछ मांगें बाकी हैं, जिसमें एमएसपी की मांग प्रमुख है। जिस पर सरकार और किसान नेताओं के बीच बातचीत जारी रहेगी। खैर अंत भला तो सब भला। आंदोलन के दौरान भले ही सरकार और आंदोलनकारियों के बीच के कई विवाद देखने को मिले हों लेकिन आंदोलन का समापन बहुत खूबसूरत तरीके से हुआ। किसान नेता, मोदी सरकार के खिलाफ किसी तरह की कोई रार लेकर नहीं गए हैं। बात राकेश टिकैत की की जाए तो वह अब मोदी सरकार का गुणगान कर रहे हैं। वह आंदोलन खत्म होने को ना अपनी जीत मान रहे हैं, ना भारत सरकार की हार। टिकैत ने कह दिया है कि उनका चुनाव से कोई वास्ता नहीं है। वह पश्चिमी यूपी में सौहार्द का वातावरण बनाने की भी कोशिश कर रहे हैं।

■ हम 50 कुंतल धान नहीं बेच सकते, लेकिन व्यापारी 25 से 30 हजार कुंतल बेचता है। एमएसपी की लड़ाई जारी रहेगी।

टिकैत, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मिलकर किसानों की समस्या पर चर्चा करना चाहते हैं, जिसे लोकतंत्र में किसी तरह से गलत नहीं कहा जा सकता है। किसान देश की रीढ़ की हैं। हाँ, टिकैत को इस बात का दुख जरूर है कि यूपी के किसान पंजाब और हरियाणा के किसानों की तरह आंदोलन चलाने की कुव्वत नहीं रखते हैं। भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने अपना आगे का प्लान भी सेट कर दिया है। उनका पूरा जोर किसानों की समस्याएं सुलझाने पर रहेगा। साल भर से अधिक समय तक चले आंदोलन के खत्म होने के बाद कैराना में हुई किसान महापंचायत में भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने कहा कि 13 महीने के आंदोलन के बाद किसानों की बड़ी जीत हुई है। हमने भारत सरकार को नहीं हराया है। हमने अपने पंचों के समझौते को स्वीकार किया है। इस आंदोलन में ना कोई हारा और ना ही कोई जीता। उन्होंने कहा कि सरकार समझौते को लागू करने के लिए काम करे। हमें पंजाब के किसानों से व्यवस्थित आंदोलन करने की सीख लेनी चाहिए। कैराना में पानीपत बाईपास पर हुई भाकियू की महापंचायत में जब सभा स्थल कैराना को बनाने को लेकर लोगों ने सवाल खड़े किए तो टिकैत ने कहा कि इसका जवाब है कि कैराना की सीमा हरियाणा से लगी हुई है। बड़ी संख्या में किसानों से सस्ती दर पर धान-अनाज आदि खरीदकर गलत तरीके से यहीं से हरियाणा ले जाया जाता है। हम 50 कुंतल धान नहीं बेच सकते, लेकिन व्यापारी 25 से 30 हजार कुंतल बेचता है। एमएसपी की लड़ाई जारी रहेगी। इस आंदोलन ने किसानों की एकता मजबूत की। अलग-अलग भाषा और क्षेत्र के किसान साथ रहे। एक-दूसरे के विचार भी साझा किए गए। यहां भी उद्योग लगें ताकि विकास हो और रोजगार मिले। हरियाणा के किसान 35 रुपये प्रति हार्सपावर से बिल अदा करते हैं और उत्तर प्रदेश में 175 रुपये देना पड़ता है। बिजली के दाम हरियाणा के बराबर किए जाएं। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ हरियाणा के मुख्यमंत्री से कमजोर नहीं हैं। हम दोनों में प्रतिस्पर्धा कराएंगे और लखनऊ जाकर बात करेंगे। दोनों प्रदेशों में भाजपा की सरकार है। चार हजार करोड़ रुपये गन्ना भुगतान बकाया है। यहां पर गन्ने का दाम भी कम है। किसानों पर दर्ज मुकदमों के संबंध में भी बात की जाएगी। एनजीटी के नाम पर दस साल पुराने ट्रैक्टर बंद कराने के मुद्दों पर भी बात करेंगे। उन्होंने कहा कि कैराना में पलायन की कोई बात नहीं है। अगर है तो यह सिर्फ सरकारी प्लान है। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी के बहकावे में नहीं आएं और मेल-जोल के साथ रहें। हमें चुनाव से कुछ लेना देना नहीं है।

प्रियंका यूपी में कांग्रेस का भला चाहती हैं तो सबसे पहले अपनी सलाहकार टीम को बदलें

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस ने एक नया इतिहास लिख दिया है। कांग्रेस, प्रदेश में सरकार बना पाएगी इसकी उम्मीद किसी को नहीं है, यहां तक की कांग्रेस के पुराने दिग्गज भी %ऑफ द रिकॉर्ड% यह बात स्वीकार करते हैं कि कांग्रेस उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में कहीं भी %फाइट% में नजर नहीं आ रही है। बल्कि कुछ लोग कांग्रेस को चौथे नंबर की पार्टी बता रहे हैं। लेकिन कांग्रेस और उत्तर प्रदेश की प्रभारी प्रियंका वाड्रा के हौसले पस्त नहीं पड़े हैं बल्कि उसे इससे वोटरों से वायदे करने के लिए नई ऊर्जा मिल रही है। इस बात का एहसास कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाड्रा द्वारा जारी महिला घोषणा पत्र से हो रहा है इसीलिए उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव व उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने पार्टी का महिला घोषणा पत्र जारी किया तो लोग इसको सीरियस लेने की बजाय इस पर चुटकी लेने लगे। लोग कह रहे हैं कि जो वायदे कांग्रेस यूपी में कर रही है पहले वह वही वायदे

राजस्थान और छत्तीसगढ़ में पूरे करें, जहां उसकी सरकारें हैं। इसी प्रकार महाराष्ट्र और झारखंड में जहां पर कांग्रेस गठबंधन सरकार का हिस्सा है, वहां भी वह ऐसे कोई वायदे पूरे नहीं कर रही है जो यूपी के वोटरों से उनके द्वारा किए जा रहे हैं। प्रियंका वाड्रा ने महिलाओं के लिए जो घोषणा पत्र तैयार किया है उसको उनके द्वारा %शक्ति विधान% नाम दिया गया है। बहरहाल, प्रियंका ने घोषणा पत्र को लॉन्च करते हुए कहा कि देश के राजनीतिक इतिहास में पहली बार महिलाओं पर केंद्रित घोषणा पत्र जारी किया जा रहा है। लेकिन यह बात हकीकत से परे है, प्रियंका वाड्रा की दादी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी भी इसी तरह के वादे जनता से किया करती थीं। इंदिरा गांधी ने गरीबी हटाओ के नारे के बल पर कई लोकसभा और राज्यों के विधानसभा चुनाव जीते। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपने कार्यकाल में बीस सूत्रीय कार्यक्रम शुरू किए थे जिसमें गरीबी दूर करने पर विशेष जोर दिया गया था। इंदिरा गांधी ने 1975 में इस कार्यक्रम की शुरुआत की थी और 1982, 1986 और 2006 में इसका पुनर्गठन किया गया। जिसे बाद की कांग्रेसी सरकारों ने भी अपनाया लेकिन ना तो गरीबी दूर हुई ना ही लोगों की भूख प्यास मिटी। बीस सूत्री कार्यक्रम के तहत इंदिरा गांधी कि सरकार रोजगार सृजन, सात सूत्री चार्टर के तहत शहरी गरीब परिवारों की सहायता, फूड सिक्यॉरिटी, गरीब तबके के लोगों के लिए मकान, सड़कों के निर्माण आदि स्कीमों के आधार पर हर राज्य की प्रगति का जायजा लिया करती थी और यह सिलसिला मनमोहन सरकार तक जारी रहा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान रवीन्द्र भवन में आयोजित भजन संध्या में हुए शामिल

विश्व प्रसिद्ध गायक श्री हरिहरन ने दी मनमोहक भजनों की प्रस्तुति

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान बुधवार की शाम रवीन्द्र भवन के मुक्ताकाश मंच पर करूणाधाम आश्रम की ओर से आयोजित नादस्वरम्-8 के अवसर पर भजन संध्या में शामिल हुए। कोमल और मधुर आवाज के लिए पहचाने जाने वाले विश्व प्रसिद्ध गायक श्री हरिहरन ने मनमोहक भजनों की प्रस्तुति दी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रस्तुत भजनों की सराहना की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कार्यक्रम में करूणाधाम आश्रम के वार्षिक कैलेण्डर का विमोचन किया। कार्यक्रम का आयोजन बालगोविंद शांडिल्य महाराज के 93वें जन्म-दिवस की पूर्व संध्या पर किया गया।

वाराणसी से भविष्य के लिए नई प्रेरणा और नई ऊर्जा मिली है : मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि बाबा विश्वनाथ की नगरी वाराणसी आध्यात्मिक ऊर्जा का स्त्रोत है। बाबा विश्वनाथ के कॉरिडोर का निर्माण अपने

आप में न केवल भव्य है अपितु राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का प्रतीक भी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक वैभवशाली, गौरवशाली, संपन्न और समृद्ध राष्ट्र का निर्माण हो रहा है। वाराणसी से भविष्य के लिए नई प्रेरणा और नई ऊर्जा मिली है। मुख्यमंत्री श्री चौहान वाराणसी से प्रस्थान के पहले मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि स्वामी विवेकानंद, जिनका नाम नरेंद्र था, ने कहा था कि 卐सुदीर्घ रजनी卐 समाप्त हुई जान पड़ती है, महानिशा का अंत निकट है। जो अंधे हैं वे देख नहीं सकते, जो बहरे हैं वे सुन नहीं सकते। भारत माता एक बार फिर से आँखें खोल रही है और विश्व गुरु के पद पर अधिष्ठित हो रही है卐। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि एक नरेंद्र (स्वामी विवेकानंद) ने कहा था दूसरे नरेंद्र अर्थात प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने यह करके दिखा दिया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विकास को एक नई दिशा दी है। इस बदलाव का अनुभव काशी में आकर होता है। आज भारत दसों दिशाओं में विकास कर रहा है। मन अपार आनंद से भरा है।

कोविड-19 के नए वेरिएंट को लेकर जिले में पूरी सतर्कता एवं सावधानी बरतें : मंत्री श्रीमती सिंधिया

भोपाल। कोविड-19 संक्रमण के नए वेरिएंट को ध्यान में रखकर जिले में सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित कर लें, जिले में नए वेरिएंट ओमीक्रॉन को लेकर पूरी सतर्कता

एवं सावधानी बरतें, आरटीपीसीआर टेस्ट सख्ती से प्रारंभ करवाएं, इसमें ढ़ील न दें। यह निर्देश खेल एवं युवा कल्याण, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री तथा आगर-मालवा जिला प्रभारी मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने बुधवार को जिला अधिकारियों की वर्चुअली मीटिंग में दिए। उन्होंने कहा कि कोरोना के नए वेरिएंट से पहले से सतर्क रहना पड़ेगा। कई स्थानों पर नए वेरिएंट के मरीज पाए गए है, जिले में टेस्टिंग बढ़ाई जाए। मंत्री श्रीमती सिंधिया ने अधिकारियों से कहा कि विदेश से आने वाले व्यक्तियों की आरटीपीसीआर जांच करवाई जाए। नए वेरिएंट से तीसरी लहर की आंशका को ध्यान में रखकर इससे बचाव के उपायों पर अमल किया जाए। अस्पतालों में ऑक्सीजन, बेड आदि की व्यवस्था रखें तथा दवाईयों आदि का स्टॉक सुनिश्चित किया जाए। शत-प्रतिशत पात्र नागरिकों को कोरोनारोधी वैक्सीन के दोनों डोज शीघ्र लगा दिए जाए।

रोज़गार के अवसर सृजित करती जल प्रदाय परियोजना

भोपाल। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा हर घर नल से जल के साथ स्किल इण्डिया की संकल्पना को भी साकार करने के प्रयास किए जा रहे हैं। यदि कोई जल प्रदाय परियोजना पानी के साथ रोजी-रोटी की व्यवस्था भी कर दे तो इसे सोने पे सुहागा ही कहा जायेगा। मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा एशियन डेवलपमेंट बैंक के सहयोग से पहले चरण में 64 और दूसरे चरण में 66 जल प्रदाय परियोजनाओं पर काम किया जा रहा है। पहले चरण के 64 निकायों में परियोजनाओं से महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने एवं आत्म-निर्भर बनाने के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में महिलाओं को नल कनेक्शन की प्रक्रिया, नल सुधारने का कार्य, बिल जेनरेशन एवं वितरण और डाटा संग्रहण जैसे कार्य तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा सिखाए जा रहे हैं। निकाय में जल प्रदाय की व्यवस्था प्रारंभ होने पर प्रशिक्षित महिलाओं के हाथ में ही सप्लाई व्यवस्था रहेगी।

युवा नेता रायसने क्षेत्र में हो रहे सक्रिय

लोगों से जुड़ने ओर जोड़ने मैं निपुण हैं : युध्दवीर सिंह पटेल

युध्दवीर सिंह पटेल जिले के उन युवा नेताओं मैं शामिल हैं जिन्हें लोगों से जुड़ना ओर लोगों को अपने से जोड़ना आता है ।इनकी निरंतर सक्रियता ने इन्हें रायसेन जिले की दो विधानसभा भोजपुर ओर उदयपुरा में समान रूप से लोकप्रिय बनाया है। प्रसगवंश इनकी इस परिवारिक प्रष्टभूमि का उल्लेख करना भी उचित होगा की इनके पिता राजेश पटेल उन कद्दावर नेताओं मैं से मैं शामिल हैं। जिन्होंने भाजपा के प्रदेश के शीर्ष में शामिल रहे पूर्व मुख्यमंत्री स्व.सुन्दरलाल पटवा के पारिवारिक विरासत बन चुके भोजपुर विधानसभा क्षेत्र से वर्तमान विधायक ओर पूर्व मंत्री सुरेंद्र पटवा को पटखनी दी थी। दरअसल युद्धवीर सिंह पटेल की पहचान केवल राजनीतिक नहीं है। जनता से सीधे जुड़ने लिए इनकी मतदान केन्द्रों तक संवादयात्रा ने गांव-गांव तक सीधी पहुंच बनाई है। युवा कांग्रेस में प्रदेश स्तर कई बड़ी बड़ी जिम्मेदारियां संभाल चुके पटेल नर्मदा भाक्ति पंथ ओर अखिल भारतीय मां नर्मदा भक्त मंडल के माध्यम से मां नर्मदा के शुद्धिकरण ओर संरक्षण के लिए लगातार काम करते रहे हैं ।मानव सेवा के पर्याय लायंस क्लब जैसी संस्था ने इनलायंस क्लब जैसी संस्था ने इन्हे अध्यक्ष के रुप मे चुना लायंस क्लब के माध्यम से कोराना विभिषिका के बीच मानव सेवा के कई आयाम स्थापित किये ।इसके बाबदूज पटेल की शालीनता ओर आत्मीय व्यवहार के सभी कायल हो जाते है।

उनका मानना है-

अछ्छे करते जाना जीवन का उद्देश्य है। भुमिकाए ईश्वर ओर भाग्य तय करता है।

मानव सेवा व सामाजिक कार्य करने मै मिलती है खुशी:ब्रजेश चौकसे को लोगों को जोड़ना

ब्रजेश चौकसे जिले के वह युवा सामाज सेवी मैं हैं जिन्हें लोगों से जुड़ना। ओर जरूरत मंद लोगों सहायता करना पसंद है। इनकी निरंतर सक्रियता ओर मनाव समाज सेवा ने इन्हें रायसेन जिले मैं काफी लोकप्रिय बनाया है। चौकसे के बारे मै उल्लेख करना भी उचित होगा। क्योंकि ब्रजेश चौकसे एक सफल समाज सेवी होने के साथ साथ एक सफल बिजनेस मैन भी है ।इनने अपनी मेहनत ओर लगन कै दम पर समाज मैं अपनी एक अलग पहचान बनाई है ।इनकी शालीनता और मधुर व्यवहार के लोग हमेशा कायल रहते ।ओर इनकी यही खाशियत इन्हें हमेशा औरों से अलग बनाती है ।पहचान केवल राजनीतिक नहीं है। यह एक सफल समाज सेवी ओर एक सफल बिजनेस मैन होने के साथ साथ जिले के युवाओं के चहते हैं ।आप यह मान लिजिए की यह रायसेन जिले के युवाओं के युथ आइकान है। क्योंकि युवाओं के लिए इनके लगाव का अंदाजा हम इसी बात से लगा सकते हैं। ये युवाओं की प्रतिभा को प्रदेश स्तर पर निखार के लिए क्षेत्र मैं समस्त प्रकार की खेल प्रतियोगिता जैसे कबड्डी-क्रिकेट इत्यादि का आयोजन कराते हैं ।ओर इनका युवाओं के लिए निस्वार्थ प्रेम ही इनको युवाओं का आइकान बनाता है।

इनका मानना है-

इंसान का जन्म एक दूसरे की मदद करने लिए ही हुआ। इस लिए हमें निरंतर समाज सेवा करते रहना चाहिए।

देश की गतिविधियों में बदलाव लाना है, तो युवाओं का राजनीति मैं आना जरूरी:नीलेश कुमार दीवाकर

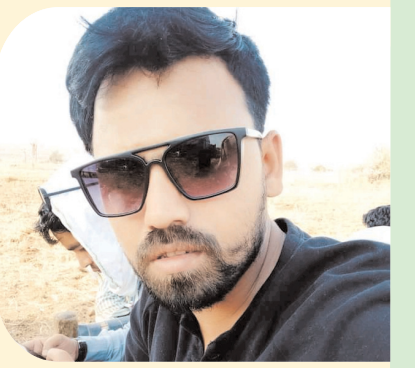

नीलेश कुमार जिले के उन युवा नेताओं मैं शामिल हैं। जिनका निरंतर प्रयास युवाओं को जागरूक करना है ।इनका मानना है की अगर देश की सामाजिक ओर राजनीतिक गतिविधियों मै बदलाव लाना है ।तो युवाओं को इसकी शुरुआत करनी होगी। बदलाव लाने के लिए युवाओं का देश प्रदेश की राजनीति मैं आना जरूरी है। बेसे तो नीलेश कुमार रायसेन जिले की भोजपुर विधानसभा की एक छोटी सी पंचायत डुगांरिया के पौनिया गांव से संबंध रखते हैं पर जिले के युवाओं के साथ भोपाल जिले के युवा युवा भीपर रायसेन जिले के युवाओं के साथ साथ भोपाल जिले के युवा भी इनसे खासे प्रभावित हैं। नीलेश राजनीतिक कार्यकर्ता होने के साथ साथ एक सामाजिक कार्यकर्ता भी है जो निरंतर लोगों की मदद मैं अपना योगदान देते रहते हैं। नीलेश हमेशा लोगों की हर प्रकार की सहायता के लिए तैयार रहते हैं। इन्ही कारणों ने इन्हें अपने क्षेत्र मैं काफी लोकप्रिय बनाया है? नीलेश एक मध्यमवर्गीय परिवार से संबंध रखते हैं और इनके पिता एक किसान है ।ये राजनीतिक ओर समाजिक कार्यों के साथ साथ खेती मैं अपने पिता का भी हाथ बंटाते हैं। नीलेश सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव हैं।

उनका मानना है-

देश मे बदलाव लाने के लिए युवाओं का राजनीति मैं आना जरूरी है। इसलिए युवाओं को इस पर ध्यान देना चाहिए।

युवा नेताओं के सोशल मीडिया फेसबुक, ट्वीटर, इंस्टाग्राम पर बढ़ रहे फ्लोवर्स एवं जमीनी स्तर पर भी एक्टिव

बीएलसीसी की बैठक सम्पन्न

विदिशा। विदिशा अनुविभाग क्षेत्रांतर्गत क्रियान्वित हितग्राहीमूलक योजनाओं में वित्त पोषण कार्यवाही बैंको के द्वारा समय सीमा में कराया जाना सुनिश्चित हो। अब तक किन-किन बैंको के द्वारा उपरोक्त कार्यो में विशेष रूचि प्रदर्शित कर शत प्रतिशत हितग्राहियों को वित्त पोषण की कार्यवाही की गई है इत्यादि की समीक्षा विदिशा एसडीएम श्री गोपाल सिंह वर्मा ने आज जनपद पंचायत विदिशा के सभागार कक्ष में की। एसडीएम श्री वर्मा ने बैंकर्स प्रतिनिधियों से कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभांवित होने वाले हितग्राही इसी वित्तीय वर्ष में अपना स्वरोजगार का संचालन कर सकें इसके लिए इस माह के अंत तक शत प्रतिशत वित्त पोषण की कार्यवाही कराना सुनिश्चित करें ताकि नए वर्ष में हितग्राही को नया परिवेश रोजगार संचालन हेतु उपलब्ध हो सकें। उन्होंने जिन प्रकरणों में स्वीकृति प्रदाय नही की गई है। उन प्रकरणों में स्पष्ट कारणो को रेखांकित करते हुए संबंधित विभाग के अधिकारी को अवगत कराएं। ताकि अन्य प्रकरण बैंको को प्रेषित किए जा सकें। लीड़ बैंक आफीसर ने बैंको को आवंटित लक्ष्यों की जानकारी दी। वहीं अब तक किन-किन बैंको के द्वारा वित्त पोषण तथा स्वीकृति प्रदाय की गई है से अवगत कराया है।

पीठासीन एवं मतदान अधिकारी प्रशिक्षित हुए

विदिशा। विदिशा जिले में त्रि-स्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2021-22 के तहत मतदान प्रक्रिया राज्य निर्वाचन आयोग के द्वारा जारी दिशा निर्देशो के अनुरूप निर्विध्न रूप से सम्पन्न हो इसके लिए मतदान केन्द्रों पर नियुक्त होने वाले पीठासीन एवं मतदान दल अधिकारी क्रमांक एक के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण बुधवार 15 दिसम्बर से शुरू हुआ है। एसएटीआई के कक्षो में आयोजित प्रशिक्षण में विदिशा जनपद पंचायत क्षेत्रांतर्गत पदस्थ पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी क्रमांक एक का संयुक्त प्रशिक्षण

आयोग के दिशा निर्देशों से बखूबी अवगत हो

आयोजित किया गया था। मास्टर ट्रेनर्सो द्वारा पंचायत निर्वाचन प्रक्रिया में मतदान सम्पन्न कराने हेतु सभी बिन्दुओं पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। पीठासीन अधिकारी और मतदान दल क्रमांक एक को जो दिशा निर्देश व दायित्व आयोग के द्वारा सौंपे गए है उन सबसे बखूबी अवगत होकर आयोग की मंशा अनुसार कार्यो का संपादन समय सीमा में निष्पक्ष होकर सम्पादित करें। प्रशिक्षणार्थियों को मास्टर ट्रेनर्सो के द्वारा अवगत कराया गया कि पंच एवं सरपंच पद के लिए मतदान मतपत्र के माध्यम से होगा जबकि जनपद एवं जिला पंचायत सदस्य का निर्वाचन हेतु ईव्हीएम के माध्यम से मतदाता अपने मतो का प्रयोग कर सकेंगे। एक मतदाता को चार मत देने होंगे जिसमें दो ईव्हीएम से और दो मत पत्र से इसकी सूचना सभी मतदान केन्द्रों पर प्रदर्शित की जाएगी। मास्टर ट्रेनर्सो द्वारा मतदान के पहले मॉकपोल की प्रक्रिया सम्पन्न कराने के पश्चात सीआरसी अनिवार्य रूप से संपादित की जाए ताकि मॉकपोल के दौरान प्रदर्शित किए गए मत एक भी त्रुटिवश दर्ज ना रहें।

मास्क व सोशल डिस्टेन्सिंग का पालन सुनिश्चित कराएं

विदिशा। कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव ने कोविड 19 के संभावित तृतीय लहर के संक्रमण से बचाव को दृष्टिगत रखते हुए नवीन आदेश जारी किया है। जिसके तहत जिले के समस्त कार्यालयों में अधिकारी, कर्मचारी एवं आगंतुकों के लिए मास्क लगाना अनिवार्य किया गया है साथ ही सोशल डिस्टेन्सिंग का पालन सुनिश्चित हो के पुख्ता प्रबंध किए जाएं। आदेश में उल्लेख है कि कोई भी व्यक्ति बिना मास्क लगाए कार्यालयों में प्रवेश नहीं करेगा।

चर्चा:

सीमा खान ने फिल्मी अंदाज में की थी सलमान खान के भाई सोहेल से शादी

सोहेल खान की पत्नी सीमा खान इन दिनों विवादों में हैं। दरअसल, सीमा पिछले दिनों करन जौहर के घर पर हुई एक पार्टी में शामिल हुई थीं जिसमें करीना कपूर और अमृता अरोड़ा भी पहुंची थीं। इस पार्टी में शामिल होने के बाद करीना और अमृता कोरोना संक्रमित हो गईं। उसके बाद सीमा और उनके बेटे के भी कोरोना संक्रमित होने की खबरें आ गईं। करीना के प्रवक्ता ने एक स्टेटमेंट जारी कर इशारों-इशारों में सीमा पर ठीकरा फोड़ा और कहा कि पार्टी में मौजूद एक शख्स को सर्दी-खांसी थी, इसके बावजूद वो पार्टी में पहुंचा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये शख्स सीमा खान हैं जिनकी तबियत ठीक नहीं थी और उन्हें पार्टी में नहीं जाना चाहिए था ताकि वो सुपर स्प्रेडर साबित ना होतीं। वैसे, सीमा नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई नई सीरीज में पिछले साल नज़र आई थीं। आपको बताते हैं उनकी लाइफ के कुछ अन्य फैक्ट्स...

भाग कर की थी शादी

सीमा दिल्ली की रहने वाली हैं। फैशन डिजाइनिंग में करियर बनाने के लिए वो मुंबई गई थीं। इसी बीच सीमा और सोहेल की पहली मुलाकात हुई थी। सोहेल के मुताबिक, उन्हें सीमा से पहली नजर में ही प्यार हो गया था। जल्द ही दोनों ने एक-दूसरे को डेट करना शुरू कर दिया। ये कपल शादी करना चाहता था। लेकिन सीमा की फैमिली इस शादी के लिए बिलकुल तैयार नहीं थी। इसी चलते सीमा और सोहेल ने एक बड़ा फैसला लिया। जिस दिन सोहेल की फिल्म %प्यार किया तो डरना क्या%(1998) रिलीज हुई उसी दिन दोनों ने घर से भाग गए और आर्य समाज मंदिर में शादी कर ली। बाद में दोनों के घरवालों ने इस रिश्ते को स्वीकार कर लिया। इस कपल ने निकाह भी किया था।

फैशन डिज़ाइनर हैं सीमा

शादी के बाद सोहेल ने सीमा के साथ मिलकर एंटरटेनमेंट बिजनेस शुरू किया। देखते ही देखते सीमा टीवी शो और मूवी की लीडिंग फैशन डिजाइनर बन गईं। टीवी सीरियल जस्सी जैसी कोई नहीं(2003-07) में कास्ट की कॉस्ट्यूम सीमा ने ही डिजाइन की थीं। इसी सीरियल से उन्हें पहचान मिली थी। सीमा का बांद्रा 190 नाम से एक बुटीक है। जिसे वो सुजैन खान और महीप कपूर के साथ मिलकर चलाती हैं। इसके अलावा सीमा के मुंबई में ब्यूटी स्पा और कलिस्ता नाम से सैलून भी है।

एक्ट्रेस का खुलासा:

सुरवीन चावला बोलीं- साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कास्टिंग काउच का सामना करना पड़ा है

एक्ट्रेस सुरवीन चावला ने खुलासा किया है कि उन्हें साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कास्टिंग काउच का बहुत सामना करना पड़ा। एक इंटरव्यू में सुरवीन ने मुंबई में अपनी पहली फिल्म मीटिंग के दौरान बॉडी शेम्ड होने के बारे में खुलकर बात की। इस मीटिंग में उन्हें ये भी कहा गया था कि तुम्हें इंडस्ट्री में वजन के कारण काम भी नहीं मिलेगा।

वह कठिन दौर था

एक इंटरव्यू में सुरवीन ने बताया ÷हां जब मैं टेलीविजन कर रही थी और उसके बाद मैं पहली फिल्म मीटिंग के लिए गई तब बॉडी शेमिंग हुई थी। इंडस्ट्री में ज्यादतर एक्ट्रेस के साथ भी होता है जहां उनकी शक्ल पर सवाल उठाया जाता है, उनके वजन पर सवाल उठाया जाता है और उनकी बॉडी साइज पर सवाल उठाया जाता है।÷ सुरवीन ने आगे कहा, ÷इंडस्ट्री में रहने के लिए पैरामीटर क्या हैं? यह एक ऐसा दौर था, जहां कास्टिंग काउच का सामना करना पड़ा था। बॉलीवुड के साथ-साथ साउथ फिल्म इंडस्ट्री में खूब सामना हुआ। वास्तव में यह काफी कठिन दौर था...।

सुरवीन का टीवी करियर

सुरवीन ने टेलीविजन पर कहीं तो होगा (2003) के साथ शुरुआत की और बाद में कसौटी जिंदगी की और काज्जल में नजरर आई थी। सुरवीन ने कन्नड़ फिल्म परमेशा पानवाला से फिल्मों में डेब्यू किया था। वह हेट स्टोरी 2 (2014), अग्ली (2013), और पार्च्ड (2015) में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। 2018 में वह वेब सीरीज हक से और सेक्रेड गेम्स में भी नजर आई थीं।

साउथ सिनेमा:

अल्लू अर्जुन का इवेंट कैंसिल होने पर फैन्स ने किया जमकर तोड़फोड़

एक्टर अल्लू अर्जुन का हाल ही में एक फैन इवेंट कैंसिल हुआ है, जिससे उनके फैन्स उनसे काफी नराज हो गए हैं। दरअसल, सोमवार को अल्लू अर्जुन अपने फैन्स से मिलने वाले थे और उनके साथ फोटोज भी क्लिक कराने वाले थे। इवेंट में केवल 200 लोग ही मौजूद होते, लेकिन भीड़ के लगातार बढ़ने के कारण इवेंट को कैंसिल कर दिया, जिसके बाद उनके फैन्स ने नाराजगी दिखाते हुए तोड़ा फोड़ी शुरू कर दी। फिर बाद में पुलिस को बुलाया गया और उन्होंने स्थिति को कंट्रोल किया। अल्लू अर्जुन को जब इसके बारे में पता चला तो उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए फैन्स के लिए पोस्ट लिखा, ÷मुझे स्थिति के बारे में पता चला और यह भी पता लगा कि आज के इवेंट में मेरे कुछ फैन्स घायल भी हो गए। स्थिति को मेरी टीम पर्सनली देख रही है और मुझे अपडेट दे रही है। मैं सुनिश्चित करूंगा कि आगे भविष्य में ऐसा ना हो। मेरे लिए आपका प्यार सबसे कीमती है और मैं इसे कभी भी ग्रांटेड नहीं लूंगा।÷ साउथ सुपरस्टार सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपने फर्स्ट आइटम सॉन्ग उ अंतावा उ उ अंतावा को लेकर काफी चर्चा में हैं। अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना अभिनीत फिल्म पुष्पा में सामंथा रुथ प्रभु का आइटम सॉन्ग है। अब तेलुगू मीडिया से खबर आ रही है कि उनके आइटम सॉन्ग के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुरुषों के लिए काम करने वाले एक ऑर्गनाइजेशन ने इस गाने के खिलाफ केस दर्ज किया है और इस गाने पर बैन लगाने की मांग भी की जा रही है। इस गाने के खिलाफ दायर की गई याचिका में गाने की लिरिक्स पर ऐतराज जताया गया है, जिसे लेकर कहा जा रहा है कि यह गाना पुरुषों की गंदी सोच को दर्शाता है।

प्रभास की फिल्म राधे श्याम का रोमांटिक गाना सोच लिया हुआ रिलीज

हाल ही में प्रभास की मोस्ट अवेटेड फिल्म राधे श्याम का रोमांटिक गाना सोच लिया रिलीज हुआ है। इसके पहले मेकर्स ने गाने का टीजर रिलीज किया था। एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने सोशल मीडिया के जरिए फैन्स को इसकी जानकारी दी थी। पूजा ने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा था, ÷इस गाने से अपने दिल को बहलाएं।÷ सोच लिया गाने को मिथुन ने कंपोज किया है। वहीं इस गाने को अरिजीत सिंह ने गाया है और मनोज मुंतशिर ने लिखा है।

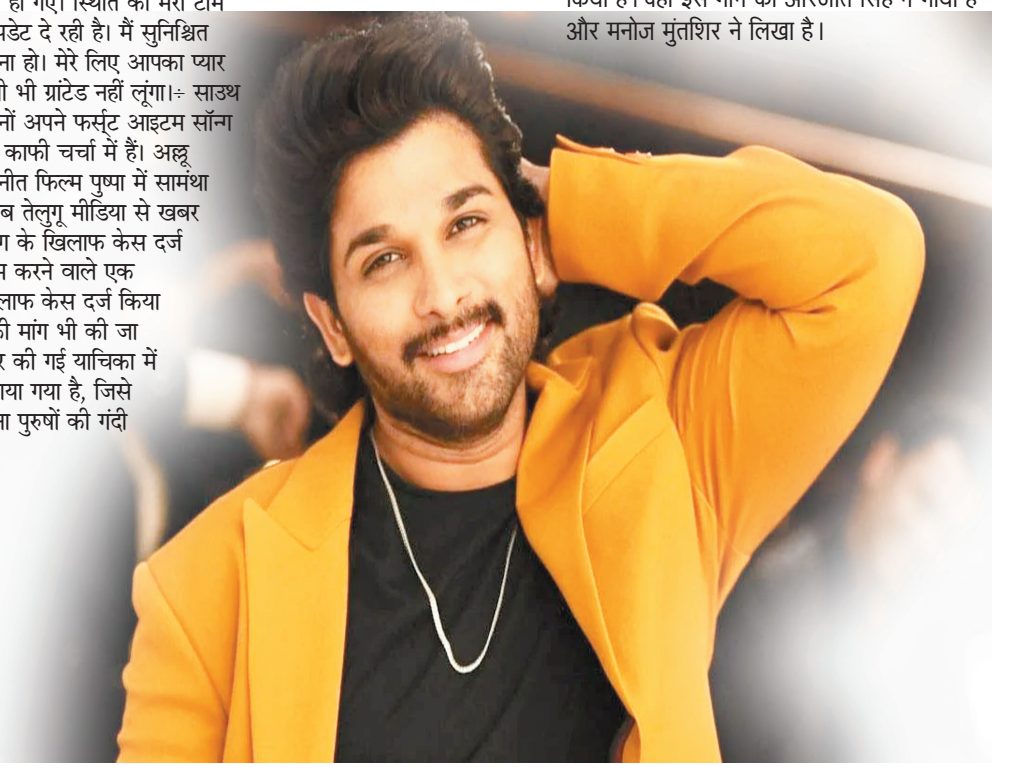

फिल्म RRR का ट्रेलर हुआ रिलीज

हाल ही में एक्शन थ्रिलर फिल्म 'RRR- राइज रोर रिवोल्ट का ट्रेलर रिलीज हो गया है। 3.15 मिनट के इस ट्रेलर में जबरदस्त एक्शन सीन दिखाए गए हैं। फिल्म की कहानी तेलुगु फ्रीडम फाइटर्स अल्लूरी सीताराम राज और कोमाराम भीम पर आधारित है। इसके ट्रेलर में दोनों की दोस्ती को दिखाया गया है। यह फिल्म 7 जनवरी को रिलीज होने वाली है। फिल्म हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में भी रिलीज होगी। फिल्म में जूनियर एनटीआर, रामचरण, अजय देवगन, आलिया भट्?ट, श्रिया सरन ऑलिविया मॉरिस, रे स्टीवेन्सन, एलिसन डूडी नजर आए हैं।

जियो का सबसे सस्ता मोबाइल रीचार्जः एक रुपए में 30 दिन की वैलिडिटी मिलेगी

नई दिल्ली। जियो ने 1 रुपए वाला प्लान लॉन्च किया है। इस प्लान में आपको 30 दिन की वैलिडिटी के साथ 100स्र्क्रडेटा मिलेगा। ये प्लान जियो के मोबाइल ऐप पर दिख रहा है। इस पैक वैल्यू सेक्शन में Other Plans में लिस्ट किया गया है।

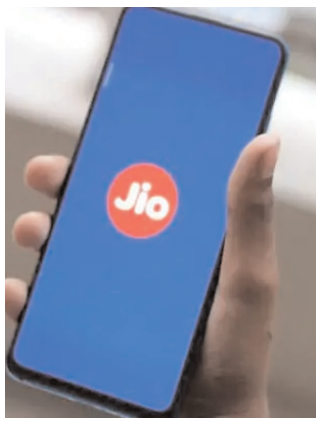

10 रुपए में मिलेगा 1GB डेटा

इस प्लान में आपको केवल 10 रुपए में 30 दिन के लिए 1त्नक्र डेटा मिलेगा। ये कंपनी के 15 रुपए वाले 1त्नक्र 4त्न डेटा वाउचर से सस्ता है। क्योंकि इसके जरिए आप 5 रुपए बचा सकते हैं।

हाल ही लॉन्च किया 119 रुपए का प्लानः कुछ दिनों पहले ही जियो ने अपने सबसे बेसिक डेली डाटा प्रीपेड प्लान में को रिवाइज किया है, जिसकी कीमत 119 रुपए है। इस प्लान में यूजर को अनलिमिटेड कॉलिंग के साथ डेली 1.5त्नक्र डेटा दिया जा है। इस प्लान में आपको 14 दिनों की वैलिडिटी मिलती है। अन्य फायदों के तौर पर जियो ऐप्स का फ्री एक्सेस दिया गया है। इसके अलावा इसमें 300 स्स्र् भी ऑफर किए जा रहे हैं।

जियो महंगे किए प्लानः एयरटेल और ङ्क्षद्व (वोडाफोन-आइडिया) के बाद जियो ने भी 1 दिसंबर से अपने रीचार्ज प्लान महंगे कर दिए हैं। जियो ने अपने प्लान में 21त्न तक की बढ़ोतरी की है। जियो के 75 रुपए वाले प्लान के लिए 1 दिसंबर से 91 रुपए चुकाने होंगे। 129 रुपए वाला प्लान 155 रुपए, 399 वाला प्लान 479 रुपए, 1,299 वाला प्लान 1,559 रुपए और 2,399 वाला प्लान अब 2,879 रुपए में मिलेगा। डेटा टॉप-अप की कीमत भी बढ़ाई गई है। अब 6 त्नक्र डेटा के लिए 51 के बजाय 61, 12 त्नक्र के लिए 101 के बजाय 121 रुपए और 50 त्नक्र के लिए 251 रुपए के बजाय 301 रुपए खर्च करने होंगे।

पांच साल में निवेशक हुए मालामालः रिलायंस ने निवेशकों की संपत्ति सबसे ज्यादा बढ़ाई

मुंबई। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (ऋढ्ढरु) पिछले पांच सालों में निवेशकों को सबसे ज्यादा फायदा देने वाली कंपनी रही है। जबकि, अडाणी ट्रांसमिशन और अडाणी एंटरप्राइज लगातार फायदा देने वाली कंपनी रही हैं।

रिपोर्ट में दी गई जानकारी

मोतीलाल ओसवाल की 26 वीं सालाना वेल्थ क्रिएशन रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। इसके मुताबिक, ऋढ्ढरु तीसरी बार सबसे ज्यादा फायदा देने वाली कंपनी बनी है। इसने 2016 से 2021 के दौरान निवेशकों की संपत्ति में 9.7 लाख करोड़ रुपए की बढ़त की है। इसके पहले 2014 से 2019 के दौरान 5.6 लाख करोड़ रुपए का फायदा इसने निवेशकों को दिया था।

तीन IT कंपनियां भी रहीं टॉप पर

रिलायंस के बाद सबसे ज्यादा वेल्थ जोड़ने वाली कंपनियों में तीन IT कंपनियां, तीन बैंक और एक फाइनेंशियल कंपनी रही। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस ने 7.29 लाख करोड़ रुपए जोड़े, जबकि बैंक ने इसी दौरान 5.18 लाख करोड़ रुपए जोड़े। हिंदुस्तान यूनिलीवर (HUL) ने 3.42 लाख करोड़ रुपए और टेक कंपनी इंफोसिस ने 3.25 लाख करोड़ रुपए जोड़े। बैंक HDFC और कोटक महिंद्रा बैंक भी सबसे ज्यादा वेल्थ जोड़ने वाली कंपनियों में शामिल रहे।

रिलायंस का फायदा 5 सालों में 8त्न की दर से बढ़ाः RIL का फायदा पिछले 5 सालों में सालाना 8त्न की दर से बढ़ा है। इसका शेयर का भाव इसी दौरान 31त्न की दर से बढ़ा है। ञ्जष्टस्, HDFC और

हिंदुस्तान यूनिलीवर (HUL) भी निवेशकों की संपत्ति को बढ़ाने में प्रमुख योगदान देने वाली कंपनी रही हैं। आंकड़े बताते हैं कि अडाणी ट्रांसमिशन 2016 से 2021 के दौरान सबसे तेजी से वेल्थ क्रिएट करने वाली कंपनी रही है। इसने सालाना 93त्न की दर से रिटर्न दिया है। यानी, एक लाख रुपए का निवेश एक साल में 1.93 लाख रुपए हो गया। इसके बाद दीपक नाइट्रेट रही है। इसने सालाना 90त्न कंपाउंडिंग एन्यूएल ग्रोथ रेटU (CAGR) की दर से संपत्ति बढ़ाई है। अडाणी एंटरप्राजेज ने इसी दौरान 86त्न की दर से निवेशकों की संपत्ति बढ़ाई है।

CAGR का मतलब चक्रवृद्धि ब्याज

CAGR का मतलब चक्रवृद्धि ब्याज से होता है। उदाहरण के दौर पर आपने 1 लाख रुपए लगाए और वह बढ़कर 1.93 लाख रुपए हो गया, तो फिर इस पूरी रकम को निवेश कर दिया जाता है। यानी, जो आपने 93 हजार रुपए कमाए उस पर भी आपको फायदा मिलता है। 2016 में अगर आपने तेजी से संपत्तियों का निर्माण करने वाली टॉप 10 कंपनियों में 10 लाख रुपए का निवेश किया होगा तो यह रकम अब 1.7 करोड़ रुपए हो गई है। इसका मतलब सालाना 77त्न का ष्टत्नक्र की दर से फायदा मिला है। इसी दौरान सेंसेक्स केवल 14त्न ष्टत्नक्र की दर से बढ़ा है।

अडाणी एंटरप्राइजेज आलराउंडर शेयर

मोतीलाल ओसवाल की रिपोर्ट के अनुसार अडाणी एंटरप्राइजेज आलराउंडर शेयर रहा है। 2016-21 के दौरान इसने 86त्न ष्टत्नक्र की दर से रिटर्न दिया है। लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले टॉप शेयर्स की बात करें तो अलकाइल अमाइंस ने 79त्न ष्टत्नक्र की दर से रिटर्न दिया है। ऌन्न्त हेल्थ ने 57त्न, विनाती आर्गेनिक्स ने 48त्न, एस्ट्राल ने 45, आरती इंडस्ट्रीज ने 40, स्त्रक्र ने 33 और रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 31त्न और अडाणी ट्रांसमिशन ने 93त्न ष्टत्नक्र की दर से फायदा दिया है।

अडाणी ट्रांसमिशन का शेयर 26 गुना बढ़ा

हालांकि शेयर्स की कीमतों को बढ़ने की बात करें तो पांच साल में अडाणी ट्रांसमिशन का शेयर का भाव 26 गुना बढ़ा, जबकि दीपक नाइट्रेट का शेयर 24 गुना बढ़ा है। अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 22 गुना, रुचि सोया का 20 गुना, अलकाइल अमाइंस का 18 गुना, वैभव ग्लोबल का 12 गुना और एस्कार्ट का शेयर 9 गुना बढ़ा है।

लापरवाही आर्थिक घाटा का कारण हो सकती है, धोखाधड़ी रोकने के लिए कंपनियां सही कदम उठाएं

मुंबई। आर्थिक विकास के साथ अब धोखाधड़ी भी बढ़ती जा रही है। ऐसे में थोड़ी भी लापरवाही किसी बड़े आर्थिक घाटे का कारण बन सकती है। ऐसे में कंपनियों को धोखाधड़ी रोकने के लिए सही कदम उठाना चाहिए। यह बात सेबी के पूर्व चेयरमैन एम. दामोदरन ने कही। दामोदरन एक्सीलेंस एनेबलर्स के चेयरमैन है। उन्होंने कहा कि ग्राहकों और अन्य लोगों को चाहिए कि वे उन लोगों के साथ जानकारी साझा न करें जिन्हें सूचना प्राप्त करने का कोई अधिकार नहीं है। कंपनियों के लिए वार्निंग सिस्टम का होना भी उतना ही आवश्यक है जो उन्हें भविष्य में आ सकने वाली आपदाओं के प्रति सचेत करती हैं। जहां रोकथाम विफल हो गई है, वहाँ तुरंत ही कुछ उपाय फौरन अमल में ला देने चाहिए। फिर ऐसी सजा का प्रावधान किया जाना चाहिए जिससे डर पैदा हो और आगे कोई ऐसा करने से पहले कई बार सोचे।

सहायक कंपनियों के लिए ज्यादा खतराः दामोदरन कहते हैं कि ज्यादा खतरा लिस्टेड कंपनियों की सहायक कंपनियों के लिए होता है। क्योंकि पैरेंट कंपनियां अक्सर लिस्टेड होती हैं। वे रेगुलेटर के जांच के अधीन होती हैं।

ऑडिट कमेटी भी होती है जिम्मेदारः दामोदरन ने कहा कि कंपनियों की ऑडिट कमेटी यह सुनिश्चित करने के लिए है कि धोखाधड़ी की संभावना के लिए पर्याप्त इन्टर्नल कंट्रोल और चेक्स एण्ड बैलन्स है। उसी तरह रिस्क मैनेजमेंट कमेटी को उन कमजोरियों की पहचान करनी चाहिए जो जोखिम में बदल सकती हैं, और समय रहते उनकी भी पहचान करे जो फ्रॉड का फायदा उठा सकते हैं।

बोर्ड यह तय करने की मनमानी न होः कंपनी के बोर्ड को यह सुनिश्चित करना है कि उसके लोग मनमानी तरीके से काम करें तो कंपनी खुद इसे रोक ले।

अब वॉट्सऐप पर मिलेगा वॉयस मैसेज रिव्यू फीचर, इससे वॉयस मैसेज खुद सुनकर भेज सकेंगे

नई दिल्ली। वॉट्सऐप ने अपने कॉन्टैक्ट्स को सेंड करने से पहले आपको अपने वॉयस मैसेज का प्रिव्यू करने वाले फीचर को रोलआउट करने का ऐलान किया है। इस अपडेट की मदद से आपको अपना वॉयस मैसेज सुनने और यह देखने में मदद करता है कि इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप पर शेयर करने के लिए ऑडियो ठीक है या नहीं। यदि ऐसा नहीं है, तो आप अपना वॉयस मैसेज को डिस्कार्ड कर सकते हैं और शेयर करने के लिए इसे फिर से रिकॉर्ड कर सकते हैं। वॉट्सऐप पर वॉयस मैसेज प्रिव्यू फीचर इंडिविजुअल और ग्रुप चैट दोनों के साथ काम करता है। साथ ही, इसे एंड्रॉयड और द्बह्र के साथ-साथ वेब और डेस्कटॉप सहित सभी प्लेटफॉर्म के लिए जारी किया गया है।

वॉयस मैसेज प्रिव्यू फीचर का प्रोसेस

अपने मोबाइल डिवाइस पर वॉयस मैसेज प्रिव्यू फीचर का यूज करने के लिए आपको वॉट्सऐप चैट में माइक्रोफोन बटन को टच करना होगा और हैंड्स-फ्री रिकॉर्डिंग लॉक करने के लिए इसे ऊपर की ओर स्लाइड करना होगा। इससे एक इंटरफेस मिलेगा, जहां आपको एक स्टॉप बटन और एक ट्रैश कैन दिखाई देगा। आप स्टॉप बटन को टैप कर सकते हैं और फिर रेसिपिएंट के साथ शेयर करने से पहले अपने वॉयस मैसेज को सुनने के लिए प्ले बटन को हिट कर सकते हैं। वॉट्सऐप आपको

सीक बार पर टैप करके ऑडियो के किसी खास हिस्से में जाने की सर्विस भी देता है।

ऐसे कर सकेंगे डिलीट

यदि आपको रिकॉर्ड किया हुआ मैसेज ठीक नहीं लगता है, तो आप ट्रैश कैन पर टैप करके इसे हटा सकते हैं। आप इसे सेंड बटन दबाकर ऑल्टरनैटिवली सेंड कर सकते हैं। यदि आप वॉट्सऐप पर उनके टैक्स्ट वर्जन पर वॉयस मैसेज भेजना पसंद करते हैं तो प्रीव्यू फीचर को जोड़ना काफी मददगार होगा। यह आपको अपने कॉन्टैक्ट्स को भेजने से पहले अपने वॉयस मैसेज के ड्राफ्ट करने की अनुमति देता है। हालांकि, आप अभी भी गलती से रैंडम वॉयस मैसेज भेज सकते हैं यदि आप केवल ऐप पर माइक्रोफोन बटन को टच कर रहे हैं और रिकॉर्डिंग फंक्शन को लॉक करने के लिए इसे स्लाइड नहीं कर रहे हैं। मई में, वॉट्सऐप पर इसे सबसे पहले स्पॉट किया गया था। वॉट्सऐप बीटा ट्रैकर WABetaInfo द्वारा रिपोर्ट किए गए अनुसार, इसे शुरुआत में रिव्यू और कैंसिल बटन के साथ देखा गया था।

केंद्रीय कैबिनेट मीटिंगःमंत्रिमंडल की बैठक में क्रिप्टोकरेंसी बिल पर चर्चा की संभावना

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल की आज की बैठक में द क्रिप्टोकरेंसी एंड रेगुलेशन ऑफ ऑफिशियल डिजिटल करेंसी बिल, 2021% पर चर्चा की संभावना है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने हाल ही में लोकसभा में बताया था कि बिल को अंतिम रूप दिया जा रहा है। अगर आज इस बिल को कैबिनेट में मंजूरी नहीं मिलती है तो शीतकालीन सत्र में बिल आने की संभावना काफी कम रह जाएगी। सरकार ने बिल को संसद के इस सत्र में लाने के लिए लिस्ट किया था। सरकार शीतकालीन सत्र में द क्रिप्टोकरेंसी एंड रेगुलेशन ऑफ ऑफिशियल डिजिटल करेंसी बिल पेश कर सकती है। अब तक जो जानकारी सामने आई

है उससे पता चलता है कि प्राइवेट क्रिप्टोकरेंसी पर रोक लग सकती है। सरकार इस बिल के जरिए कुछ क्रिप्टोकरेंसी को एक्सेप्शन के रूप में काम करने की छूट दे सकती है।

प्राइवेट क्रिप्टोकरेंसी

- मोनेरो, जीकैश, डैश और होरिजन जैसी कई क्रिप्टोकरेंसी है, जिन्हें प्राइवेट क्रिप्टोकरेंसी कहा जाता है।
- इसमें वॉलेट का एड्रेस ही नहीं ट्रांजैक्शन डीटेल तक छिपाकर रखी जाती है।
- इन वजहों से यूजर को इन क्रिप्टोकरेंसीज में ज्यादा प्राइवेसी मिलती है।
- अलग-अलग देशों में क्रिप्टोकरेंसी को लेकर कानून
- दुनियाभर की सरकारें और रेगुलेटर क्रिप्टोकरेंसी को लेकर डिवाइडेड हैं।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)